www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 118 || लखनऊ
मंगलवार
28 जुलाई 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:28
सूर्यास्त: 06:58
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 28°00

» पेज 07

विशेष समाचार: जब जंतर-मंतर पर जेन जी ने ... » पेज 04 | आगरा दौरे पर सीएम योगी ने ... » पेज 06 | वैभव प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले...

लोकसभा स्पीकर बिरला ने नेताओं को मनाया, आज हंगामे के कारण 4 बार स्थगित हुई संसद

पेपरलीक बिल पर चर्चा करने को विपक्ष तैयार, वोटिंग होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल, 2026' को लेकर संसद में हंगामा खत्म होने की उम्मीद है। विपक्ष मंगलवार को इस पर चर्चा शुरू करने के लिए सहमत हो गया है। स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की। जिसके बाद सरकार और विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है। इससे पहले सोमवार को लोक परीक्षा संशोधन बिल पेश किया गया। हालांकि विपक्ष के हंगामे की वजह से चर्चा नहीं हो सकी। विपक्ष छात्रों पर NEET पेपर लीक के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज के मामले पर बहस के लिए अड़ा रहा। कांग्रेस का कहना है कि इस मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर बयान दें। इस वजह से लोकसभा की कार्यवाही दिन में 4 बार स्थगित हुई। जब भी कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस, सपा के सांसद वेल में बैनर लेकर पहुंच जाते और नारेबाजी करने लगते। NDA संसदीय दल की साप्ताहिक 'मंगल मिलन' बैठक संसद भवन परिसर की लाइब्रेरी बिल्डिंग के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में सुबह 9:30 बजे होगी।

स्पीकर ओम बिरला ने पार्टियों के नेताओं से बातचीत की। जिसके बाद सरकार और विपक्ष दोनों ही 28 जुलाई को बिल पर चर्चा करने और वोटिंग के लिए तैयार हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार दोपहर 12 बजे से बिल पर चर्चा शुरू हो सकती है।

रिजिजू ने कहा- युवा विपक्ष की हरकत देख रहा

राज्यसभा की कार्यवाही शाम को 5:15 बजे फिर शुरू हुई। किरेन रिजिजू ने कहा, 'चर्चा के लिए टाइम दिया गया है। मंत्री बैठे हैं। बाहर बोलते हैं कि ससंद में बोलने नहीं देते हैं। यहां हम हाथ जोड़-जोड़कर कहते हैं। बोलिए तो मान नहीं रहे हैं। ये बिल पर देश के लोग चर्चा सुनना चाहते हैं। मैं खड़गे जी से अनुरोध करता हूं कि आप अपने सांसदों को समझाएं। आप लोग चर्चा नहीं करने दे रहे हैं मैं इस व्यवहार का खंडन करता हूं।

इसमें नीट पेपर लीक मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे को लेकर चर्चा हो सकती है।

» (शेष पेज 06 पर)

2024 में बने कानून में बदलाव होंगे, सजा-जुर्माना दोनों बढ़ेंगे

- केंद्र सरकार 2024 में बने कानून में बदलाव के लिए संशोधन बिल लेकर आई है।
- इसमें पेपर लीक के आरोपियों के लिए और कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान है।
- राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने का अधिकार मिलेगा, जहां मामलों की रोजाना सुनवाई होगी।
- यह कानून केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा।
- इनमें UPSC, SSC, रेलवे भर्ती, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं, NTA और अन्य केंद्रीय भर्ती एवं प्रवेश परीक्षाएं शामिल हैं।

लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित

- किरेन रिजिजू बोले- कांग्रेस और उसके साथी जानबूझकर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। इतना महत्वपूर्ण बिल है, इस पर चर्चा होनी चाहिए। ऐसा काम मत कीजिए, आपकी इमेज बहुत गिर चुकी है। बदनाम होने वाला काम मत कीजिए। चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए।
- स्पीकर चेयर पर बैठे कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कहा, 'आप चर्चा नहीं करना चाहते हैं। आप देश के युवा के भविष्य लिए चर्चा नहीं चाहते हैं। यदि आपको आज चर्चा नहीं करते हैं तो मैं सभा की कार्रवाई मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करता हूं।'

बिरला-रिजिजू ने अखिलेश, वेणुगोपाल से बात की

लोक परीक्षा संशोधन बिल पर जारी गतिरोध को दूर करने के लिए सरकार कोशिश कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की है। इनमें अखिलेश यादव और केसी वेणुगोपाल भी शामिल हैं। इनके बीच की बातचीत की डिटेल सामने नहीं आई है।

'समझौता टूटा तो फिर सड़कों पर उतरेंगे'

कॉकरोच जनता पार्टी का सरकार पर बड़ा हमला

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली: कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने केंद्र सरकार पर सीजेपी के साथ हुए समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से यह भरोसा दिया गया था कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई पुलिस कार्रवाई नहीं होगी, लेकिन बिहार, पश्चिम बंगाल, दिल्ली समेत कई राज्यों में छात्रों और वॉलंटियर्स पर कार्रवाई जारी है। आशुतोष रांका ने कहा कि बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है।

» (शेष पेज 06 पर)

लिखित समझौता और टाइमलाइन सार्वजनिक करने की मांग

रांका ने यह भी मांग की कि कानूनी मामलों से जुड़ा लिखित समझौता और भारत सरकार के साथ तय की गई पूरी टाइमलाइन 24 घंटे के भीतर सार्वजनिक कर उनके संगठन को उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि इससे यह स्पष्ट होगा कि सरकार अपने वादों पर कितनी गंभीर है।

सोनम वांगचुक अस्पताल से डिस्चार्ज होकर राजघाट पहुंचे

बापू को श्रद्धांजलि दी, बोले- हिंसा से मामला बिगड़ता

तमसा संकेत, एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती सामाजिक एवं पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सोमवार को डिस्चार्ज हो गए। दोपहर 1:45 बजे अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह अपनी पत्नी डॉ. गीतांजलि के साथ दिल्ली के राजघाट पहुंचे और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

मीडिया से बातचीत में सोनम वांगचुक ने कहा, ऱमैं देश को बताना चाहता हूं कि बापू का दिखाया रास्ता आज भी उतना ही सही और प्रासंगिक है, जितना 100 साल पहले था। शांतिपूर्ण आंदोलन के कारण हमारी जीत हुई है। हिंसा होती तो मामला बिगड़ सकता था।

इसलिए मैंने समय से पहले अनशन खत्म किया। वांगचुक लद्दाख से जुड़े मुद्दों और NEET पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 26 दिनों तक अनशन पर बैठे थे। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के बाद गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया था।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज़

सुप्रीम कोर्ट दल-बदल कानून से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दल-बदल कानून से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। याचिका में कानून की व्याख्या पर पुनर्विचार की मांग की गई है। इसे सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने दायर किया है। सिब्बल ने उस प्रावधान को चुनौती दी है।

भारत ने यूक्रेन के राजदूत को तलब किया

नई दिल्ली। भारत ने ब्लैक सी में एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय नाविक की मौत के मामले में यूक्रेन के राजदूत डॉ. ओलेक्सांद्र पोलिशचुक को तलब किया है। भारतीय नाविकों की यूनियनों ने हमले के लिए यूक्रेनी ड्रोन को जिम्मेदार बताया है। विदेश मंत्रालय ने इस मामले को यूक्रेन के सामने मजबूती से उठाया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, जहाज एमवी ओमोर्फी पर 18 जुलाई को ब्लैक सी से गुजरते समय हमला हुआ था। मंत्रालय ने पिछले हफ्ते जारी एक बयान में कहा था कि यह हमला कथित तौर पर रूसी क्षेत्रीय जलक्षेत्र में हुआ।

प्रदर्शन पर पुलिस की बर्बरता सही नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। कोर्ट ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

स्ट्रीट फाइटर हूं : धर्मेंद्र प्रधान

बोले-इस्तीफे पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था- ऐसा होता रहता है

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुंचे। संसद परिसर में प्रधान के पहुंचते ही भाजपा और NDA सांसदों की भीड़ उनका स्वागत करने पहुंची। विपक्षी सांसदों ने भी उनसे मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक विपक्षी सांसद ने तंज कसा कि यह पहली बार है, जब किसी मंत्री ने आरोप का सामना किए बिना इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने भी कहा- ऐसा होता रहता है। इस पर धर्मेंद्र प्रधान ने जवाब दिया, मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी कमरों में बैठने वाला एक्टिविस्ट नहीं। प्रधान ने 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कॉकरोच जनता पार्टी ने NEET पेपर लीक केस में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए 36 दिन तक जंतर-मंतर पर धरना दिया था। कांग्रेस ने सोमवार को संसद भवन परिसर में पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत करने पर BJP की कड़ी आलोचना की।

- धर्मेंद्र प्रधान संसद के मानसून सत्र के लिए पहुंचे। मकर द्वार पर मौजूद भाजपा सांसदों ने उन्हें रिसीव किया।
- प्रधान को मिथिला टोपी पहनाकर उनका स्वागत किया गया। एनडीए सांसदों ने उनके फैसले की सराहना की।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "देश पहले ही देख चुका है कि पेपर लीक के मामले में इस्तीफा देते समय माफी मांगने के बजाय, प्रधान ने छात्रों पर ही गुमराह होने का आरोप लगाया था, और उसके बाद सभी केंद्रीय मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ की थी।"

» (शेष पेज 06 पर)

एसआईटी में सीए भी शामिल करो : सुप्रीम कोर्ट

राममंदिर चढ़ावा चोरी की 2 हफ्ते में जांच रिपोर्ट दो, आरोपी और 14 दिन जेल में रहेंगे

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की सोमवार दोपहर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया- नई SIT बना दी गई है। IG किरण एस इसे लीड कर रहे हैं। टीम में एक डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (DIG), एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) और एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) भी शामिल हैं। चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल से पूछा- क्या चोरी की जांच कर रही एसआईटी की इस नई टीम को हर चीज का एक्सेस होगा? इसपर तुषार मेहता ने हामी भरी। दोपहर करीब 3:30 बजे सुनवाई के दौरान CJI ने कहा- हम इस जांच को बंद नहीं कर रहे हैं। चोरी के इस मामले में और भी सुधार के कदम उठाने होंगे। SIT में फोरेंसिक ऑडिटर को शामिल करिए। ऑडिटर वित्तीय अपराधों का पता लगाने के लिए खातों और रिकॉर्ड्स की जांच करेगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद तय की है। SIT को निर्देश दिया है कि वह दो हफ्ते के भीतर अपनी जांच की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। अब अगली सुनवाई में कोर्ट इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई पर फैसला करेगा।

सोमेन वर्मा, DIG | किरण एस, IG | गौरव ग्रोवर, SSP

एडवोकेट की सलाह- वेबसाइट पर मिले दान का विवरण

सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने कहा- लाखों श्रद्धालु 500, 1000 या अन्य छोटी-बड़ी राशि श्रद्धा से दान करते हैं। अगर वह धन ट्रस्ट तक नहीं पहुंच रहा है तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने सुझाव दिया कि ट्रस्ट को प्राप्त होने वाले दान का विवरण सार्वजनिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि दानदाता यह देख सकें कि उनकी राशि सुरक्षित रूप से ट्रस्ट तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि यह किसी पक्ष के खिलाफ लड़ाई नहीं, बल्कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने का प्रयास है।

इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित SIT की अध्यक्षता लखनऊ मंडल के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे थे, जिसमें आईजी लखनऊ रेंज बतौर सदस्य शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट के नए दिशा-निर्देशों के बाद अब नई SIT बनाकर IG लखनऊ रेंज किरण एस को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। जबकि, अयोध्या के DIG सोमेन वर्मा और अयोध्या के SSP गौरव ग्रोवर को इसका सदस्य नियुक्त किया गया है।

आरोप : केन-बेतवा प्रभावितों को न मुआवजा मिला, न पुनर्वास, एक्स पर आंदोलन की तस्वीरें शेयर कीं

राहुल गांधी ने लिखा-सत्य और सत्याग्रह से डरती है सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना में आदिवासियों की जमीन तो ले ली गई, लेकिन उन्हें न न्यायपूर्ण मुआवजा मिला और न ही सम्मानजनक पुनर्वास। राहुल ने सोमवार को 'X' पर प्रभावित किसानों और आदिवासियों के आंदोलन का वीडियो साझा किया। इसके साथ लिखा- मोदी सरकार सत्य और सत्याग्रह, दोनों से डरती है। शांतिपूर्ण आंदोलन पुलिस बल से कुचला जा रहा है। सत्य यह है कि आदिवासी देश के पहले मालिक हैं। जल, जंगल और जमीन पर सबसे पहला अधिकार उन्हीं का है और उनका सत्याग्रह इसी अधिकार की रक्षा के लिए है। राहुल गांधी ने जो वीडियो पोस्ट किया।

» (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी ने लिखा- कांग्रेस प्रभावित आदिवासी भाई-बहनों और किसानों के साथ खड़ी है। उन्हें न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। सरकार को प्रभावित परिवारों को न्यायपूर्ण मुआवजा और सम्मानजनक पुनर्वास देना ही पड़ेगा।

यह कविता शिक्षा पारीक की है

कोई आओ और हमें भी दिल्ली लेकर जाओ
जंतर-मंतर से सुना है आवाज सुनाई पड़ती है
हमारे भी बच्चे हैं साहब
क्या हुआ हमारे घर कच्चे हैं साहब
देश को बताओ कि वे क्या कर रहे हैं
रोटी छीनकर पानी की व्यवस्था कर रहे हैं
ये तो दिल निचोड़कर प्यास बुझाना हुआ न
हमारी छत छीनकर बांध बना रहे हैं
मन की बात हुक्मरान ही कर सकते हैं क्या
बातों से पेट भर सकते हैं क्या
वे आए और घर तोड़ने की बात करने लगे
ऐसे किसी के घर तोड़ सकते हैं क्या
संविधान कौन है साहब
सुना है ये सबसे ऊंचा है
सब इसके नीचे आते हैं
ये कहां मिलेगा
इससे बात हो सकती है तो करा दीजिए
हमारे घर बचा लीजिए
संसद क्या होती है साहब
सुना है वहां मंत्री देश की समस्याओं पर बात करते हैं
हमारी बात क्यों नहीं करते...
हम कौन से देश में आते हैं साहब?

दुबई-मुंबई इंडिगो फ्लाइट की राजकोट में इमरजेंसी लैंडिंग

कार्गो कंपार्टमेंट से धुआं निकलने पर पायलट ने प्लेन उतारा

तमसा संकेत, एजेंसी

राजकोट। दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की फ्लाइट IGO1452 की राजकोर्ट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक पायलट ने विमान के कार्गो कंपार्टमेंट से धुआं निकलते देखा था, इसके बाद राजकोट एयरपोर्ट को इमरजेंसी की सूचना देकर फ्लाइट को राजकोट में लैंड कराया। इंडिगो की फ्लाइट में पायलट क्रू समेत 194 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट के अफसरों के अनुसार फ्लाइट में सवार सभी पैसेंजर और क्रू को सुरक्षित उतार लिया गया है। खबर है कि सभी को दूसरे प्लेन से शाम 7 बजे मुंबई रवाना किया जाएगा। राजकोट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिलते ही राजकोट नगर निगम के 2 फायर ब्रिगेड वाहन और 2 एम्बुलेंस तुरंत एयरपोर्टपर पहुंचे। फायर ब्रिगेड कर्मी और डॉक्टर तैयार थे।

- राजकोट एयरपोर्ट पर इसी विमान की इमरजेंसी लैंडिग हुई है।
- प्लेन लैंड होने के बाद इंडिगो का ग्राउंड स्टॉफ और टेक्निशियन स्टाफ तुरंत विमान के पास पहुंचा।

छात्रों ने बैरिकेडिंग धकेली, पुलिस से धक्का-मुक्की ■ 4 शिक्षामंत्रियों के इस्तीफे के लिए नारेबाजी

डिंपल यादव के खिलाफ प्रदर्शन

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में डिंपल यादव के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। उनके साथ अखिलेश यादव, राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भी नारेबाजी की गई। सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने इन नेताओं के खिलाफ शर्म करो-शर्म करो के नारे लगाए। उनका कहना था कि जहां भी गैर-एनडीए सरकारें हैं, उन राज्यों में पेपर लीक हो रहे हैं।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव, डिंपल यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेता पंजाब, कर्नाटक, केरल और झारखंड में पेपर लीक पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। यही लोग जंतर-मंतर पर NEET पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का साथ दे रहे थे। इन नेताओं को अपनी पार्टी या गठबंधन के शिक्षामंत्रियों से इस्तीफा मांगना चाहिए। छात्र प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय के गेट से सड़क पर निकलने लगे तो पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। पहले से तैनात पुलिस बल ने उन्हें पकड़ते हुए विश्वविद्यालय अंदर ही रोकने की कोशिश की तो छात्रों ने बैरिकेडिंग भी धकेल दी।

अखिलेश यादव-राहुल गांधी भी आवाज उठाएं : आलोक

छात्र आलोक मिश्रा ने कहा कि आज हम लखनऊ विश्वविद्यालय से यह मांग करते हैं कि जहां भी गैर-एनडीए सरकारें हैं, उन राज्यों में पेपर लीक हो रहे हैं। वहां के शिक्षामंत्रियों को इस्तीफा देना चाहिए।

राहुल गांधी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्ष के नेता पंजाब, कर्नाटक, केरल और झारखंड में पेपर लीक पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। केरल में कांग्रेस की सरकार है, वहां पेपर लीक हो रहे हैं। झारखंड में इंडी गठबंधन की सरकार है, वहां के शिक्षा मंत्री भी इस्तीफा दें।

डिंपल और केजरीवाल को राज्यों के लिए भी बोलना चाहिए : छात्र

छात्र जतिन शुक्ला ने कहा कि जितने भी विपक्ष के नेता हैं, उन्हें राज्यों के लिए भी बोलना चाहिए। झारखंड, कर्नाटक, केरल में पेपर लीक हुआ तो वहां के लिए भी इन्हें आवाज उठानी चाहिए।

छात्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर-1 (आजाद द्वार) पर दोपहर 12 बजे इकट्ठा होकर नारेबाजी करने लगे थे। कुछ पुलिस बल बैरिकेडिंग के बाहर लगा हुआ है तो कुछ अंदर की तरफ से छात्रों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए समझाने की कोशिश कर रहे हैं।

■ छात्र एकता जिंदाबाद पोस्टर के साथ डिंपल यादव, राहुल गांधी, अखिलेश यादव के खिलाफ पोस्टर थे।

> छात्र गेट के पास पहुंचकर विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलने पर अड़ गए हैं। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाई है। छात्रों को रोकने की कोशिश कर रही है।

मंगलवार को प्रेरणा दिवस में होगा संपूर्ण समाधान

निष्क्रिय समूह भी रख सकती हैं अपनी बात

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केशव प्रसाद मौर्य की पहल व उनके कुशल मार्गदर्शन मे उत्तर प्रदेश मे महिला सशक्तिकरण व स्वालम्बन की दिशा मे क्रान्तिकारी कदम उठाये जा रहे है। स्वयं सहायता समूहो के माध्यम से महिलाओं को जोड़कर उन्हे विभिन्न गतिविधियों व क्रियाकलापो के माध्यम से न केवल स्वावलम्बी बनाया जा रहा है, बल्कि उन्हे लखपति दीदी की श्रेणी मे लाने के भरसक प्रयास किये जा रहे हैं। दीदियो को उनके क्रियाकलापो व गतिविधियों मे किसी प्रकार की दिक्कत या अवरोध न आने पाये, उन्हे किसी प्रकार की कठनाई न होने पाये, इस दिशा मे उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य सोच व मन्शा के अनुरूप विकास खण्ड स्तर पर प्रत्येक मंगलवार को ॠप्रेरणा दिवसॠ का आयोजन किया जा रहा है। अरुण कुमार मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने बताया कि विकासखंड स्तर पर प्रत्येक महीने के प्रथम मंगलवार को समूह सखी, द्वितीय मंगलवार को बैंक सखी, एफएलसीआरपी (वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन व्यक्ति) एवं विद्युत सखी, तृतीय मंगलवार को अजीविका सखी एवं उद्योग सखी और चतुर्थ मंगलवार को एफएनएचडब्ल्यू सीआरपी (खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वछता संसाधन व्यक्ति) की समीक्षा बैठक प्रेरणा दिवस के रूप में आयोजित की जा रही है।

■ **प्रदेश भर में विकासखंड स्तर पर होगा प्रेरणा दिवस का आयोजन**

फास्ट न्यूज

टीजीटी परीक्षा में फर्जी अभ्यर्थी बैठाने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में टीजीटी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक) परीक्षा में असली अभ्यर्थी की जगह फर्जी परीक्षार्थी बैठाने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को हुसैनगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने परीक्षा दिलाने के लिए 15 लाख रुपए में सौदा तय किया था, जिसमें से 7 लाख रुपए बैंक खाते के जरिए फर्जी परीक्षार्थी को भेजे गए थे।

अलग-अलग स्थानों पर 2 युवकों ने सुसाइड किया

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित श्रीनगर कॉलोनी में सोमवार सुबह एक स्विगी डिलीवरी बॉय ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सहादतगंज थाना क्षेत्र में पिता की डांट से नाराज युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। श्रीनगर मड़ियांव निवासी मोहम्मद तौफीक (22) स्विगी में डिलीवरी बॉय का काम करता था। तौफीक अपने माता-पिता और बहन के साथ भगत आटा चक्की के पास रहता था।

16 साल की किशोरी से दुष्कर्म

लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र से लापता 16 साल की किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोप है कि किशोरी को बहला-फुसलाकर अगवा किया गया और पीजीआई क्षेत्र के एक होटल में ले जाकर उसके साथ 3 दिन तक दुष्कर्म कराया गया। पुलिस के मुताबिक, एक महिला ने 24 जुलाई को तहरीर देकर बताया था कि उसकी 16 साल की ननद 17 जुलाई को बिना बताए घर से चली गई थी।

परियोजनाएं अब कागज पर प्रस्तावों के आधार पर मंजूर नहीं होंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

■ **पर्यटन मंत्री ने 18 मण्डलों की वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा शुरू की**

लखनऊ। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटन के अनुभव को और बेहतर करने के उद्देश्य से पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन और विकास किया जा रहा है। इसको दृष्टिगत रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर अवस्थापना सुविधाओं के सृजन एवं विकास के लिए 119841.10 लाख रुपये की 575 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसके तहत जनपद आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की परियोजना का क्यूरेशन कार्य, जनपद लखनऊ में नवसेना शौर्य संग्रहालय का क्यूरेशन कार्य कराया जा रहा है। इसी प्रकार जनपद फर्रूखाबाद के संकिसा में महोबा में प्लेनिटोरियम का कार्य, सीतापुर के नैमिषारण्य धाम में वेदारण्यम की स्थापना का कार्य, जनपद फिरोजाबाद के समौर बाबा धाम, करहरा हेतु पार्किंग पर्यटन सुवधि केन्द्र तथा अन्य पर्यटन सुविधाओं का सृजन किया जा रहा है। इसी प्रकार बलिया में महर्षि भृगु आश्रम, जनपद बस्ती में भदेश्वर नाथ मन्दिर का पर्यटन विकास, बिजनौर में विदुर कुटी स्थल, कन्नौज में मेंहदी घाट, जनपद कासगंज के सोरों तीर्थ क्षेत्र में पवित्र कुण्ड स्थित घाट का पुर्नविकास एवं सौन्दर्यीकरण, जनपद मथुरा में परिक्रमा मार्ग, मेरठ में हस्तिनापुर का समेकित पर्यटन विकास तथा जनपद संतक-बीरनगर में स्थित तामेश्वरनाथ मन्दिर का पर्यटन विकास कराया जा रहा है।

यह जानकारी सोमवार को प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी।

उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में योगी सरकार

उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था का अध्ययन करने लखनऊ पहुंची हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति

■ **हरियाणा के विधायकों ने ऑपरेशन कायाकल्प, मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, डिजिटल शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और नवाचारों की सराहना की**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था, शैक्षिक गुणवत्ता, विद्यालयी अवस्थापना सुविधाओं तथा शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का अध्ययन करने के लिए हरियाणा विधानसभा की उच्चस्तरीय समिति सोमवार को लखनऊ पहुंची। समिति ने अपर मुख्य सचिव, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा और महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ विधानसभा सभागार में बैठक कर उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधारों और नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। समिति में हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति के चेयरपर्सन लक्ष्मण सिंह यादव सहित अन्य सदस्यगण शामिल रहे।

बैठक में अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के द्वारा उत्तर प्रदेश की बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आयामों, विद्यालयी अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण, शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल एवं स्मार्ट शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, व्यावसायिक शिक्षा, निगरानी एवं जवाबदेही की डिजिटल व्यवस्था तथा विभिन्न अभिनव योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया गया।

हरियाणा विधानसभा की शिक्षा समिति ने यूपी के शैक्षिक सुधारों और नवाचारों को बताया उपयोगी एवं अनुकरणीय

आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। ऑपरेशन विद्यालय कायाकल्प के माध्यम से विद्यालयों में स्वच्छ, सुरक्षित और बाल हितैषी वातावरण तैयार किया गया है। वर्ष 2017-18 के बाद विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के विभिन्न मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सुरक्षित पेयजल, बालक-बालिका शौचालय, रनिंग वाटर, हैंडवॉशिंग यूनिट, कक्षा-कक्षों में टाइल्स, विद्युतीकरण, रैंप एवं रेलिंग, भवनों की रंगाई-पुताई, रसोईघर, बाउंड्रीवाल तथा अन्य सुविधाओं में व्यापक स्तर पर संतृप्ति हासिल की गई है।

> प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विभिन्न विभागों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, जिला खनिज निधि, मनरेगा, विकास प्राधिकरण, कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व और सामुदायिक सहभागिता जैसे विभिन्न स्रोतों के माध्यम से विद्यालयों की अवस्थापना सुविधाओं को मजबूत किया गया। प्रदेश में 1.33 लाख विद्यालयों में 19 मूलभूत बाल हितैषी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है।

जौहर यूनिवर्सिटी बचाने विधानसभा तक मार्च की कोशिश, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोका

धरने पर बैठे स्वामी प्रसाद मौर्य

■ **स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार से शिक्षा संस्थानों को राजनीतिक विवादों से दूर रखते हुए विद्यार्थियों के हित में फैसला लेने की अपील की।**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण के विरोध में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने सोमवार को लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य समर्थकों के साथ दारूलशफा से विधानसभा तक पैदल मार्च शुरू किया। पुलिस ने बैरिकेडिंग करके थोड़ी दूरी पर ही उन्हें रोक लिया। स्वामी प्रसाद मौर्य अपने समर्थकों के साथ पुलिस बैरिकेडिंग के पास धरने पर बैठ गए। उन्होंने सरकार पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार से जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण से जुड़े सभी निर्देश तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान पर इस तरह की कार्रवाई से हजारों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित होता है और शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचता है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वहां अध्ययनरत छात्रों का भविष्य भी दांव पर लग गया है।

> स्वामी प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में समर्थक दारुलशफा से विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। आरएलडी कार्यालय के बाहर पहले से तैनात पुलिस बल ने बैरिकेडिंग कर मार्च को आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर बैठ गए और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदेश सरकार पर लगाया कार्रवाई का आरोप

प्रदर्शन के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार सुनियोजित तरीके से स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ की जा रही कार्रवाई दंडात्मक है और इसका सबसे बड़ा नुकसान वहां पढ़ने वाले छात्रों को उठाना पड़ रहा है।

महिलाएं करेंगी सीएलएफ का त्रैमासिक आंतरिक ऑडिट

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का 7 दिवसीय आंतरिक सामुदायिक सीएलएफ ऑडिटर प्रशिक्षण संपन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में, दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब में सरकारी, अर्धसरकारी विभागों, संस्थाओं के अधिकारियों व कर्मचारियों तथा रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें अत्यधिक दक्ष और सक्षम बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, बक्शी का तालाब, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आंतरिक सामुदायिक ऑडिटर संकुल स्तरीय संघ का सात दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण रविवार को क्षेत्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, बक्शी का तालाब में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में मऊ, महोबा, चित्रकूट, सहारनपुर, बलिया सहित विभिन्न जनपदों की महिलाओं ने भाग लिया।

सीएलएफ आंतरिक ऑडिट का यह प्रशिक्षण मिशन निदेशक श्री अरुण कुमार की पहल और निर्देशन में आयोजित किया गया।

मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन श्री अरुण कुमार ने बताया कि, ॠसामुदायिक आंतरिक ऑडिट प्रणाली ग्रामीण महिलाओं के समुदाय आधारित संस्थाओं को केवल वित्तीय अनुशासन ही नहीं, बल्कि स्वावलंबन और सुदृढ़ शासन की नई दिशा दे रही है। पारदर्शी बही-खातों और सटीक जोखिम प्रबंधन के माध्यम से हम इन सामुदायिक संस्थाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमारा धन हमारी योजना के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण में महिलाओं को सीएलएफ की बही-खातों, ऋण पुस्तिका, प्राप्ति-भुगतान, आय-व्यय, संपत्ति-दायित्व और ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। संयुक्त मिशन निदेशक श्री प्रवीणानन्द ने बताया कि प्रशिक्षित महिलाएं अब प्रत्येक तीन माह पर संकुल स्तरीय संघ का आंतरिक ऑडिट करेंगी और सीएलएफ को सुदृढ़ बनाने के लिए सुधार के क्षेत्रों को सीएलएफ पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के साथ साझा करेंगी।

आयोजन : व्याख्यानमाला का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक विमर्श करना है-जयवीर सिंह

राज्य संग्रहालय में कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह की पहल पर राज्य संग्रहालय लखनऊ में व्याख्यानमाला 26 जुलाई से 07 अगस्त, 2026 तक आयोजित की जा रही है। इसके अंतर्गत कल रविवार को राज्य संग्रहालय, लखनऊ द्वारा कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी एवं भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास एवं पुरातत्व के प्रख्यात विद्वान डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल की स्मृति में "डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला" का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. के. के. थपल्याल, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य व्याख्यान में डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा शोध कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने प्रो. वासुदेव शरण अग्रवाल से जुड़े संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि डॉ. अग्रवाल ने भारतीय संस्कृति, कला एवं इतिहास के अध्ययन को नई दृष्टि प्रदान की। उनके शोध कार्यों ने भारतीय परंपराओं, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक निरंतरता को समझने का एक सशक्त आधार निर्मित किया।

डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल की स्मृति में व्याख्यानमाला का अयोजन

उनके साहित्य में दर्शन एवं इतिहास दोनों का समन्वय की प्राप्ति

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने कहा कि डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल केवल इतिहासकार या पुरातत्वविद ही नहीं थे, बल्कि भारतीय संस्कृति के अद्वितीय व्याख्याकार भी थे। उनके साहित्य में दर्शन एवं इतिहास दोनों का समन्वय प्राप्त होता है। उनके लेखन में भारतीय जीवन-मूल्यों, लोकपरंपराओं तथा सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गहरा अनुराग परिलक्षित होता है। प्रो. दीक्षित ने पद्मावत के भाष्य के क्रम में प्रो. अग्रवाल के योगदान की चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में डॉ. अग्रवाल के विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है, जब सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसके वैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है।

> सर्वप्रथम आमंत्रित अतिथियों एवं निदेशक, राज्य संग्रहालय, लखनऊ ने कारगिल शहीदों को नमन कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। व्याख्यानमाला का उद्देश्य डॉ. अग्रवाल के बहुआयामी योगदान का स्मरण करते हुए भारतीय सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न आयामों पर सार्थक विमर्श को बढ़ावा देना है।

अवनीश अवस्थी युवाओं से बोले- देश सेवा में मेहनत लगेगी

लखनऊ। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (IIM) लखनऊ का सोमवार को 42वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। कैंपस स्थित उत्सव हॉल में आयोजित समारोह में पब्लिक पॉलिसी, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में काम करने वाले कई दिग्गज पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने की-नोट स्पीकर के तौर पर छात्र-छात्राओं को एआई पर जानकारी दी। IIM के स्थापना दिवस पर एआई और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर सेमिनार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर सेमिनार किया गया। कार्यक्रम में सीनियर डिजिटल डेवलपमेंट हेड, वर्ल्ड बैंक अरुण शर्मा, सिद्धार्थ मदान, प्रबंध निदेशक एवं पार्टनर, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप - BCG इंडिया, शिवी मिथल रणनीतिक सलाहकार व ऑपरेटिंग पार्टनर, कंटेंटलेंस जैसे विशेषज्ञों ने भविष्य की तकनीकों और डिजिटल बदलावों पर अपने विचार साझा करेंगे।

हर गौवंश पर अब 50 रुपये प्रतिदिन खर्च : धर्मपाल सिंह

प्रदेश में 12 लाख गोवंशों की हो रही देखभाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने गौसंरक्षण को लेकर अपनी योजनाओं का दायरा बढ़ाते हुए सोमवार को प्रदेश में 14 नई गौशालाओं का लोकार्पण किया। इस मौके पर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रेस वार्ता में दावा किया कि राज्य में वर्तमान समय में करीब 12 लाख निराश्रित गौवंश की देखभाल की जा रही है, जिस पर सरकार प्रतिदिन लगभग 8 करोड़ खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गौशालाओं के संचालन के लिए मिलने वाली सहायता राशि भी बढ़ाई है। मंत्री ने बताया कि पिछली सरकार में एक गौवंश के भरण-पोषण के लिए प्रतिदिन 30 की सहायता दी जाती थी, जिसे मौजूदा सरकार ने बढ़ाकर 50 प्रतिदिन कर दिया है। उनके अनुसार, बढ़ी हुई राशि का उद्देश्य गौशालाओं में पशुओं के लिए बेहतर भोजन, चिकित्सा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

धर्मपाल सिंह ने बताया कि सोमवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों में 14 नई गौशालाओं का लोकार्पण किया गया। उनका कहना है कि इन गौशालाओं में चारा, स्वच्छ पेयजल, आवास, शेड और अन्य बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है, जिससे निराश्रित गौवंश के संरक्षण की क्षमता बढ़ेगी।

सरकार के मुताबिक, प्रदेश की गौशालाओं में वर्तमान में करीब 12 लाख गौवंश संरक्षित हैं।

मानदेय और बकाया भुगतान की मांग, सीएम के नाम ज्ञापन, कार्य बहिष्कार की चेतावनी

पैरावेट-पशुमित्रों का प्रदर्शन

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। पशुपालन विभाग के अंतर्गत कार्यरत पैरावेट और पशुमित्रों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह को सौंपते हुए नियमित मासिक मानदेय, लंबित भुगतान, सामाजिक सुरक्षा और सेवा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो वे विभागीय कार्यों का शांतिपूर्ण बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे उत्तर प्रदेश पैरावेट एवं पशुमित्र संगठन के जिला अध्यक्ष अभिषेक कुमार साहू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पैरावेट और पशुमित्र कलेक्ट्रेट पहुंचे। सभी कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया और प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वे वर्षों से पशुपालन विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं में पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य कर रहे हैं, लेकिन आज तक उन्हें नियमित मानदेय और अन्य बुनियादी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाया है।

> ज्ञापन में कहा गया कि पैरावेट और पशुमित्र भीषण गर्मी, बारिश और सर्दी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी पशुपालकों और पशुधन की सेवा कर रहे हैं। उनके कार्यों में पशु चिकित्सा अधिकारियों के निर्देशन में प्राथमिक उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशुगणना और गौ आश्रय स्थलों पर विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन शामिल है।

ये हैं कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

ज्ञापन में कर्मचारियों ने सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगों को तत्काल पूरा करने की अपील की। इनमें प्रमुख रूप से—

- नियमित मासिक मानदेय की व्यवस्था लागू की जाए।
- लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए।
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिया जाए।
- सेवा संबंधी सुविधाएं और अधिकार सुनिश्चित किए जाएं।
- वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाए।

नियमित मानदेय और बकाया भुगतान की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने सभी पैरावेट और पशुमित्रों के लिए नियमित मासिक मानदेय लागू करने की मांग की। इसके साथ ही 21वीं पशुगणना, एफएमडी-सीपी (फुट एंड माउथ डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम) के सातवें चरण तथा कृत्रिम गर्भाधान की प्रोत्साहन राशि का लंबित भुगतान शीघ्र जारी करने की भी मांग उठाई। इसके अलावा सभी पैरावेट और पशुमित्रों को दुर्घटना बीमा योजना से जोड़ने तथा मल्टी टास्किंग वर्कर की भर्ती में प्राथमिकता देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई।

मांगें पूरी नहीं हुईं तो होगा विभागीय कार्यों का बहिष्कार

जिला अध्यक्ष अभिषेक कुमार साहू ने कहा कि यदि सरकार उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो जिले के सभी पैरावेट और पशुमित्र विभागीय कार्यों का शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से बहिष्कार करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य किसी प्रकार की असुविधा पैदा करना नहीं है।

हरदोई और संडीला स्टेशनों पर यूआरएमयू की बीसीएम बैठक

कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का मिला भरोसा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन (यूआरएमयू) की बालामऊ/हरदोई शाखा ने सोमवार की सुबह हरदोई और संडीला रेलवे स्टेशन पर एक ब्रांच काउंसिल मीटिंग (बीसीएम) का आयोजन किया। यह बैठक सुबह करीब 11:30 बजे हुई। शाखा सचिव राजीव गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों के रेलवे कर्मचारियों से सीधा संवाद स्थापित करना और उनकी कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना था। बैठक में हरदोई और बालामऊ शाखा के लगभग 15 से 20 पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान ऑपरेटिंग, विद्युत, पीडब्ल्यूआई, कमर्शियल तथा सिग्नल एवं टेलीकॉम विभागों के कर्मचारियों से चर्चा की गई। कर्मियों ने ड्यूटी व्यवस्था, कार्यस्थल की सुविधाओं और प्रशासनिक विषयों से जुड़े सुझाव व समस्याएं रखीं। शाखा सचिव राजीव गुप्ता ने सभी मुद्दों पर गंभीरता दिखाते हुए आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की प्रत्येक समस्या का निराकरण निर्धारित प्रक्रियाओं के माध्यम से जल्द से जल्द कराया जाएगा। यूनियन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चरक हॉस्पिटल को कर्मचारियों के लिए हाल ही में इम्पैनल कराए जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे रेलवे कर्मचारियों और उनके परिजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी।

फास्ट न्यूज

5 साल से बंद विद्युत शवदाह गृह

उन्नाव। सोमवार को DM घनश्याम मीना ने उन्नाव के मिश्रा कॉलोनी स्थित श्मशान घाट पर स्थापित विद्युत शवदाह गृह के पांच साल से बंद पड़े होने का संज्ञान लिया। वर्ष 1994 में स्थापित यह शवदाह गृह 2021 में कोरोना काल के बाद से निष्क्रिय है। लाखों रुपये की मशीनें देखरेख के अभाव में खराब हो रही हैं, जिससे लोगों को अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियों का उपयोग करना पड़ रहा है।

रेलवे फाटक में तकनीकी खराबी से लगा लंबा जाम

उन्नाव। उन्नाव में लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग पर स्थित सरैया रेलवे क्रॉसिंग पर सोमवार सुबह गेट बूम में तकनीकी खराबी आ गई। सुबह करीब 10 बजे हुई इस खराबी के कारण क्रॉसिंग लंबे समय तक बंद रही, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात व्यवस्था चरमरा गई। उन्नाव से कानपुर और कानपुर से उन्नाव जाने वाले दोपहिया, चारपहिया और मालवाहक वाहन इस जाम में फंस गए। इसी दौरान कानपुर कार्डियोलॉजी जा रही एक मरीज को ले जा रही कार भी जाम में फंस गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हरदोई मेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने जीता दूसरा स्थान

हरदोई। हरदोई मेडिकल कॉलेज की छात्राओं ने राज्य स्तरीय फार्माकोलॉजी क्विज में दूसरा स्थान हासिल किया है।
यह उपलब्धि रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, बरेली के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित VigiLearn 2026: Empowering Future Clinicians प्रतियोगिता में मिली।
यह जानकारी मेडिकल कॉलेज के मीडिया प्रभारी डॉ. शिवम यादव ने सोमवार दोपहर 2 बजे दी है।

लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर 5 किलोमीटर लंबा जाम, पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया

हाईवे पर भीषण सड़क हादसा, तेज रफ्तार कार ने सफारी को मारी टक्कर

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले के रामनगर क्षेत्र में सोमवार को लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार दो वाहनों की आमने-सामने टक्कर से बड़ा सड़क हादसा हो गया। केसरीपुर मोड़ स्थित साईं राम ढाबा के पास हुई इस दुर्घटना में महिला, बच्चों और युवकों समेत कई लोग घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर करीब पांच किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को अस्पताल भेजवाया और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को सुचारु कराया। जानकारी के अनुसार, यूपी-78 बीजेड-1243 नंबर की सफारी गाड़ी लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास से लौट रही थी। वाहन में विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले तीन महिलाएं, तीन छोटे बच्चे और दो

युवक समेत कुल आठ लोग सवार थे। जब वाहन रामनगर क्षेत्र के केसरीपुर मोड़ स्थित साईं राम ढाबा के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही यूपी-43 बीएस-3031 नंबर की एक्स्टर कार अचानक अनियंत्रित होकर सफारी से भिड़ गई। दुर्घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। हादसे में ज्योति मिश्रा, हेतलाल गोस्वामी, निधि गोस्वामी, सेशराम, पीहू त्रिपाठी तथा एक अन्य बच्ची घायल हो गई।

> प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोनों वाहनों की भिड़ंत इतनी तेज थी कि उनके अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि सफारी के एयरबैग समय पर खुल जाने से उसमें सवार लोगों की जान बच गई और बड़ा हादसा टल गया।

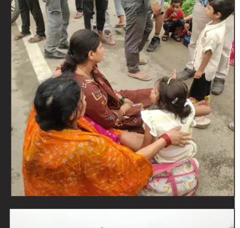

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रम पांडेय सड़क हादसे में घायल

रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर, बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विक्रम पांडेय रविवार देर रात दिल्ली जाते समय सड़क हादसे में घायल हो गए। दुर्घटना मुरादाबाद जनपद में उस समय हुई, जब वह रोडवेज बस से यात्रा कर रहे थे। बस में पीछे की सीट पर बैठे विक्रम पांडेय को टक्कर लगने के बाद सीट से नीचे गिरने के कारण गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद उन्हें मुरादाबाद के एक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने बताया कि शुरुआती जांच में उनकी रीढ़ की हड्डी और कमर के हिस्से में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई है। प्राथमिक उपचार के बाद

डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। सोमवार दोपहर करीब 2:30 बजे शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने बताया कि विक्रम पांडेय की तबीयत में सुधार है। उन्हें मुरादाबाद से बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार कराया जाएगा। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित सोमवार तड़के मुरादाबाद अस्पताल पहुंचे। उन्होंने चिकित्सकों से मुलाकात कर विक्रम पांडेय के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उपचार व्यवस्था का जायजा लिया। हादसे की खबर से हरदोई के राजनीतिक गलियारों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हसन अहमद, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मोहन सिंह, ज्ञानू पाल, राम लोटन, प्रशांत कनौजिया, पीपी वर्मा, रोहित कुमार, असद सिद्दीकी, शैलेश सिंह, इरशाद अहमद और महताब समेत कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विक्रम पांडेय के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई गई

सपा कार्यालय में गोष्ठी, पूर्व राष्ट्रपति के आदर्शों पर चलने का आह्वान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में समाजवादी पार्टी (सपा) के जिला कार्यालय पर सोमवार दोपहर 1:30 बजे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर 'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम को नमन करते हुए उनके बताए आदर्शों और मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम सपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष शराफत अली की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के बाद एक विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए शराफत अली ने कहा कि डॉ. कलाम एक महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ युवाओं के लिए सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत थे। उनकी

सादगी और जनसेवा के कारण उन्हें 'जनता का राष्ट्रपति' कहा जाता था। शराफत अली ने बताया कि डॉ. कलाम का मानना था कि जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना, निरंतर ज्ञान अर्जित करना, कड़ी मेहनत करना और हर परिस्थिति में दृढ़ संकल्पित रहना ही महान जीवन की कुंजी है। उन्होंने देश के युवाओं के सपनों को साकार करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। डॉ. कलाम ने अपने जीवन का अंतिम लेक्चर भी युवाओं के बीच ही दिया था और अपनी अंतिम सांस तक देश की सेवा करते रहे।

उन्नाव में मौत से पहले वीडियो बनाया, पिता बोले- बहू का अफेयर चल रहा था

पत्नी से परेशान 28 साल का पति फंदे पर लटका

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पत्नी और साले से परेशान युवक ने फंदे पर लटककर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले उसने 4 मिनट का एक वीडियो बनाया। इसमें उसने कहा- मेरी मौत की जिम्मेदार पत्नी और उसकी बुआ का लड़का है। इन लोगों ने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी है। इतना कहने के बाद युवक ने टिनशेड की रॉड पर नायलॉन की रस्सी बांधी और फंदे पर झूल गया। घटना रविवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे सदर कोतवाली क्षेत्र में हुई। घटना के वक्त मृतक के माता-पिता घर के गेट के पास बैठे थे। थोड़ी देर बाद जब पिता किसी काम से अंदर आए, तो उन्होंने बेटे को फंदे से लटकता देखा। पास में ही टेबल पर रखे मोबाइल पर उनकी नजर पड़ी, जिसमें रिकॉर्डिंग चल रही थी। उन्होंने तुरंत कैमरा बंद किया और पुलिस को सूचना दी।

> मगरवारा चौकी प्रभारी रविशंकर पांडे का कहना है- शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। वायरल वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पूरी घटना की हर कड़ी को जोड़कर आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

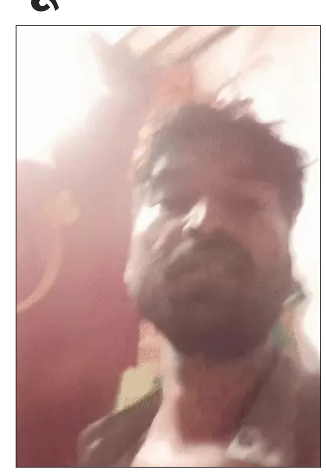

ससुरालवालों की प्रताड़ना से तंग आकर जान दी

वहीं, पिता सुनील ने कोतवाली में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि बहू रागिनी का उसके फुफेरे भाई सूरज राठौर के साथ अफेयर चल रहा था। उसका भाई रवि और बहन सोनी भी पवन को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही थी।

इसी प्रताड़ना से तंग आकर बेटे ने यह खौफनाक कदम उठाया।

'कहती थी- मर जाओगे तो लाश के ऊपर से गुजर जाऊंगी'

मृतक के चाचा संजय राठौर ने बताया कि बहू अक्सर पवन से झगड़ा करती थी और कहती थी, तुम मर जाओगे तो तुम्हारी लाश के ऊपर से गुजर जाऊंगी। ससुराल वालों के लगातार उत्पीड़न से तंग आकर ही उसने वीडियो में पत्नी और साले को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि वायरल वीडियो और सबूतों के आधार पर सभी आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देकर जेल भेजा जाए।

कार्रवाई : अतिक्रमण हटाने के लिए भवन स्वामियों को एक सप्ताह की आखिरी मोहलत

पोनी रोड चौड़ीकरण को लेकर सख्ती

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव शहर की बहुप्रतीक्षित पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना को रफ्तार देने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। विभाग ने सड़क किनारे बने चबूतरे, छज्जे और अन्य अवैध निर्माण हटाने के लिए भवन स्वामियों को अंतिम बार एक सप्ताह का समय दिया है। पीडब्ल्यूडी ने साफ कर दिया है कि तय समय सीमा के बाद भारी पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के साथ अभियान चलाकर बचे हुए अतिक्रमण हटाए जाएंगे। पोनी रोड चौड़ीकरण अभियान की शुरुआत पीडब्ल्यूडी ने 18 जुलाई को की थी। पहले चरण में करीब 550 मीटर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए लगभग तीन दर्जन मकानों के चबूतरे और अन्य अतिक्रमण हटाए गए थे। उस दौरान स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए विभाग ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए भवन स्वामियों को खुद अतिक्रमण हटाने के लिए एक सप्ताह की मोहलत दी थी। अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण के कारण सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे परियोजना में देरी हो रही है। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि पोनी रोड चौड़ीकरण परियोजना शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सड़क चौड़ी होने से लोगों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

> एक्सईएन ने चेतावनी दी कि समय सीमा खत्म होने के बाद भी यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो विभाग बिना अतिरिक्त सूचना दिए जेसीबी और पुलिस बल की मदद से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा। इससे भवन स्वामियों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। उन्होंने पोनी रोड तिराहे से अंदर की ओर रहने वाले लोगों से जल्द से जल्द अतिक्रमण हटाने की अपील की है।

धीमी रफ्तार से हो रही कार्रवाई पर विभाग नाराज

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के मुताबिक, मोहलत मिलने के बाद भी अधिकांश लोगों ने अतिक्रमण हटाने में तेजी नहीं दिखाई है। कुछ भवन स्वामियों ने अपने स्तर से निर्माण हटा लिए हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग अभी भी विभाग के निर्देशों की अनदेखी कर रहे हैं।

एक्सईएन बोले- अब नहीं होगी देरी

पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) एचडी अहरवार ने बताया कि पोनी रोड पर विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य में अब किसी भी तरह की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए भवन स्वामियों को अंतिम बार एक सप्ताह का समय दिया गया है। सभी लोग जनहित को देखते हुए खुद अपने अवैध निर्माण हटा लें।

जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवन गिराने के प्रस्ताव का विरोध

उन्नाव में सपा अल्पसंख्यक सभा ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त किए जाने की प्रस्तावित कार्रवाई के विरोध में सोमवार को उन्नाव में समाजवादी पार्टी (अल्पसंख्यक सभा) ने प्रदर्शन किया। पार्टी पदाधिकारियों ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह को सौंपकर कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और पूरे मामले की निष्पक्ष व विधिसम्मत समीक्षा कराने की मांग की। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष नियाज़ खान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्रेट पहुंचा। ज्ञापन में कहा गया कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय हजारों छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और

स्थानीय लोगों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है। ऐसे में किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई से पहले संविधान, कानून और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए। जिलाध्यक्ष नियाज़ खान ने कहा कि जिस गांव में विश्वविद्यालय का निर्माण किया गया था, उस समय वह क्षेत्र किसी विकास प्राधिकरण के अधीन नहीं था। उस दौरान उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1947 के तहत निर्माण अनुमति की आवश्यकता भी नहीं थी। उनका दावा है कि बाद में इस क्षेत्र को विकास प्राधिकरण के दायरे में शामिल किया गया, जबकि विश्वविद्यालय का निर्माण पहले ही पूरा हो चुका था। ज्ञापन में कहा गया कि यदि भूमि या निर्माण से संबंधित किसी प्रकार की अनियमितता है तो उसका समाधान कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए। सरकार चाहे तो नियमानुसार जुर्माना या अन्य वैधानिक कार्रवाई कर सकती है, सपा नेताओं ने कहा कि मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए किसी भी निर्णय से पहले छात्रों के हित, शिक्षा व्यवस्था और स्थानीय जनसामान्य पर पड़ने वाले प्रभाव का गंभीरता से आकलन किया जाना चाहिए।

सम्पादकीय

परीक्षा सुधार

प्रधानमंत्री ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में परीक्षा सुधारों के लिए एक कार्य बल गठित करने का जो फैसला लिया, वह एक ठोस कदम जान पड़ता है, क्योंकि बात केवल मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट की ही नहीं थी। पिछले कुछ वर्षों में न जाने कितनी प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक हुए हैं। इन स्थितियों में सभी परीक्षाओं में सुधार के कोई ठोस उपाय किए जाने आवश्यक हो गए थे। यह आशा की जाती है कि नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में गठित कार्य बल परीक्षाओं में सुधार के प्रभावी उपाय कर सकने में सक्षम रहेगा। यह अपेक्षा इसलिए है, क्योंकि वे तकनीक के दिग्गज हैं और उन्हें आधार एवं यूपीआइ का जनक माना जाता है। नीलेकणी के नेतृत्व में गठित कार्य बल परीक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, सुरक्षित एवं तकनीक आधारित बनाने के लिए सुझाव देगा। इन सुझावों पर समय रहते सही ढंग से अमल करना होगा, क्योंकि इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नीट में सुधारों के लिए राधाकृष्णन समिति ने जो सुझाव दिए थे, उन सभी का सही तरह से पालन नहीं किया जा सका और संभवतः उसी के नतीजे में इस परीक्षा के प्रश्न पत्र बार-बार लीक हुए। अच्छा होता कि सरकार ने अब जाकर जो निर्णय लिया, वह और पहले ही ले लेती। उसने पिछले कुछ दिनों में परीक्षा में सुधार के लिए जो अनेक फैसले लिए, उनसे यह प्रतीति हो रही है कि वे कॉकरोच जनता पार्टी के धरना-प्रदर्शन से उपजी परिस्थितियों के बाद लिए गए। जो भी हो, कम से कम अब ऐसे प्रबंध किए जाने चाहिए जिससे किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक न हों, क्योंकि जब ऐसा होता है तो परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर तो प्रश्न चिह्न लगता ही है, छात्रों के समय एवं संसाधन की बर्बादी भी होती है। इससे भी बड़ी बात यह कि पूरी व्यवस्था पर से उनका भरोसा डिगता है।

परीक्षाओं में सेंध लगाने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के साथ यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य था कि परीक्षा प्रणाली में आमूलचूल सुधार किए जाएं। सुधार का यह दायरा केवल केंद्र और राज्यों की संस्थाओं की ओर से आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं तक ही नहीं सीमित रहना चाहिए। इसका दायरा स्कूली परीक्षाओं तक भी जाना चाहिए, क्योंकि इन परीक्षाओं में नकल एक सामाजिक बुराई बन गई है।

परीक्षाओं में सेंध लगाने वाला एक माफिया पैदा हो गया है। इसमें कोचिंग चलाने वाले भी शामिल हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि परीक्षा के साथ शिक्षा में भी सुधार के ठोस प्रयत्न किए जाएं। यदि आवश्यक समझा जाए तो नई शिक्षा नीति में भी फेरबदल किया जाना चाहिए, क्योंकि एआइ के बढ़ते हस्तक्षेप के साथ ही परिस्थितियां बहुत बदल गई हैं।

आचार्य श्री भिक्षु का 301 वां जन्म दिवस एवं 269 वाँ बोधि दिवस

तेरापन्थ के आद्यप्रवर्तक प्रातः स्मरणीय क्रांतिकारी आचार्य श्री भिक्षु को मेरा कोटिशः वन्दन । स्वामी भीखणजी का जन्म वि.सं. 1783 आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी (1 जुलाई 1726) मंगलवार को हुआ । जब वे गर्भस्थ हुए, माता दीपांजी ने सिंह स्वप्न देखा । जैन परम्परा में इस स्वप्न को बहुत महत्वपूर्ण माना गया हैं । और 14 महास्वप्नों में गिना गया हैं ।कहा जाता है कि गर्भ- धारण-काल में माता द्वारा देखा गया ऐसा स्वप्न किसी महापुरुष के अवतरण का सूचक होता हैं । स्वामीजी के पिता का नाम शाह बल्लूजी था । उन्होंने दो विवाह किये थें । प्रथम पत्नी का नाम लाछड़दे था । उनके पुत्र होलोजी थे । प्रथम पत्नी के दिवंगत होने पर उन्होंने दूसरा विवाह दीपांजी से किया । उनके पुत्र भीखणजी थे । पति- पत्नी दोनों ही अत्यन्त भद्र और धार्मिक प्रकृति के थे । ऐसे माता-पिता की संतान धर्म-निष्ठा तथा सत्यशोधक हो, इसमें कोई आश्चर्य नहीं । स्वामीजी बाल्यकाल से ही अत्यन्त निपुण और कुशाग्र- बुद्धि थें ।स्वामीजी ने भी तत्कालीन पद्धति के अनुसार गुरु के पास साधारण अध्ययन किया । महाजनी हिसाब में वे शीघ्र दक्ष हो गयें ।व्यवहार - बुद्धि भी उनकी बड़ी सजग थी । एक बार बता देने के पश्चात् वे अपना पाठ बहुत शीघ्र याद कर लेते थे । गुरु को उनके लिए विशेष परिश्रम करने की कभी आवश्यकता नहीं पड़ी । आचार्य रूघनाथजी को जब भीखणजी के दीक्षा लेने के विचारों का पता लगा, तो वे स्वयं आकर दीपांबाई को आज्ञा देने के लिए समझाने लगे । आचार्य रूघनाथ जी ने कहा - बहिन ! तुम्हारा स्वप्न सचमुच ही महत्वपूर्ण हैं । मुझे लगता है, तुम्हारा स्वप्न मिथ्या नहीं होगा । दीक्षा लेकर तुम्हारा पुत्र सिंह की तरह गूंजेगा ।अवश्य ही वह भावितात्मा अनगार होगा । आचार्य रूघनाथ जी की वह भविष्यवाणी वास्तव में ही सत्य निकली । स्वामीजी की सिंह- गर्जना ने जैन शासन के सेवकों में पूनः प्राण प्रतिष्ठित कर दिये ।

› प्रदीप छाजेड़

66

जंतर-मंतर की सड़कों पर जब इस पीढ़ी की लड़कियों और लड़कों ने पीरियड्स, उसके दर्द और 'पीरियड लीक' होने जैसी जमीनी सच्चाइयों पर तख्तियां लहराईं, तो टीवी स्क्रीन के उस पार बैठी पुरानी पीढ़ी के मुंह से चाय का घूंट हलक में ही अटक गया।

जब जंतर-मंतर पर जेन जी ने 'प्राइवेट मोड' को 'पब्लिक ब्रॉडकास्ट' बना दिया

राजनीतिक पंडित जब जंतर-मंतर के किसी धरने का विश्लेषण करते हैं, तो वे अक्सर नारों की गूंज, बैनरों के रंग और सरकार पर पड़े प्रभाव का पैमाना नापते हैं। लेकिन हाल ही में जेन जी (Gen Z) के हल्ला-बोल ने भारतीय समाजशास्त्र को एक ऐसा नया अध्याय दिया है, जिसका विश्लेषण केवल राजनीति के चश्मे से करना नाइंसाफी होगी। यह आंदोलन सिर्फ मांगों की फेहरिस्त लेकर नहीं आया था; यह आंदोलन भारत के भाषाई, सांस्कृतिक और वैचारिक ढांचे के लिए एक 'सिस्टम अपडेट' लेकर आया था। जिस देश में आधी से ज्यादा आबादी अपनी जैविक बनावट और प्राकृतिक प्रक्रियाओं को लेकर जिंदगी भर एक अजीब से अपराधबोध (Guilt) में जीती रही हो, वहां इस नई पीढ़ी ने भरे चौराहे पर माइक थामकर 'सो-कॉल्ड वर्जनाओं' की ऐसी धज्जियां उड़ाईं कि पुरानी पीढ़ियां अपना चश्मा साफ करती ही रह गईं। पुरानी पीढ़ियों का इतिहास देखें तो उनकी अभिव्यक्ति का तरीका बड़ा ही रोचक और संकोच से भरा रहा है। हमारे बड़े-बुजुर्गों ने जिन सच, इच्छाओं और शारीरिक सच्चाइयों को जिंदगी भर मन के सबसे गहरे कोने में दबाकर रखा, या बहुत मेहरबानी हुई तो किसी बंद कमरे में अपने सबसे जिगरी दोस्त के कान में 'प्लीज किसी को बताना मत' वाले डिस्क्लेमर के साथ फुसफुसाया—जेन जी ने उन सभी बातों को बिना किसी बैकग्राउंड म्यूजिक या रीटेक के, सीधे लाइव कैमरा के सामने बोल दिया। इसे कुछ लोग 'संस्कारों का पतन' कह सकते हैं, लेकिन निष्पक्ष नजर से देखें तो यह दशकों से चले आ रहे ढोंग और नकली शराफत के गुब्बारे में पिन चुभोने जैसा था।

हमारे समाज में बरसों से एक अलिखित और बेहद विचित्र नियम चला आ रहा था: जो चीज जितनी प्राकृतिक और ईश्वर-प्रदत्त है, उसे उतना ही सात पर्दों के पीछे छिपाकर रखो। व्यक्तिगत नजरिए से देखें तो यह आंदोलन दरअसल 'काली पॉलीथिन संस्कृति' पर एक सीधी चोट था। याद कीजिए वह दौर जब मेडिकल स्टोर से सैनिटरी पैड खरीदना किसी गुप्त सैन्य अभियान जैसा होता था। पैड पहले अखबार की दो परतों में लपेटा जाता था, फिर उसे एक गहरी काली पॉलीथिन में सील किया जाता था ताकि रास्ते में कोई यह न देख ले कि इंसान के शरीर में एक सामान्य जैविक प्रक्रिया भी होती है! लेकिन जेन जी का लॉजिक बहुत सीधा और वैज्ञानिक है—जो प्रक्रिया शत-प्रतिशत कुदरती है, उसे किसी आपराधिक रहस्य की तरह गोपनीय रखने की क्या तुक है?

जिस विषय पर बात करने से पहले घर की महिलाएं कमरे की कुंडी बंद कर लेती थीं, उस विषय पर जेन जी ने पूरी दुनिया को एक मुफ्त 'नॉलेज अपडेट' दे दिया। पुरानी पीढ़ी को शायद पहली बार अहसास हुआ कि जिसे वे जीवनभर 'शर्म और हया' का नाम देकर छुपाते रहे, वह तो बस एक बायोलॉजिकल फैक्ट था, जिसे बेवजह का रहस्य बनाकर जटिल कर दिया गया था। इस प्रदर्शन का सबसे तीखा और दिलचस्प पहलू था—भाषाई आजादी। अगर भाषा के इतिहास पर नजर डालें, तो पुरानी पीढ़ियों ने शरीर की बनावट और उसके अंगों के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया था। हमारे समाज की विडंबना देखिए: जिन शारीरिक अंगों के नाम लेने में पुरानी पीढ़ी को शर्म आती थी, उन्हीं अंगों के नामों को उन्होंने पूरे सम्मान के साथ 'गालियों' की श्रेणी में आरक्षित कर रखा था! यानी, अगर किसी को नीचा दिखाना हो या गुस्सा निकालना हो, तो उन्हीं अंगों के नाम याद आते थे, लेकिन अगर स्वास्थ्य, शिक्षा या सामान्य बातचीत में उनका जिक्र करना हो, तो जुबान पर सांप सूंघ जाता था।

जेन जी ने इस दोहरे रवैये (Double Standards) पर ऐसा करारा तंज कसा है कि भाषाविद भी हैरान हैं। उन्होंने साफ कर दिया कि शरीर का कोई भी अंग न तो अश्लील है और न ही गाली। अंग तो बस अंग हैं, गंदा तो उस समाज का नजरिया था जिसने कुदरत की रचना को ही गाली बना दिया। जब जंतर-मंतर पर नई पीढ़ी ने बिना किसी हिचकिचाहट के इन शब्दों का इस्तेमाल एक सामान्य विमर्श (Normal Conversation) की तरह किया, तो उन्होंने दरअसल भाषा का शुद्धिकरण ही किया। उन्होंने दिखाया कि अश्लीलता शब्दों में नहीं, बल्कि उन शब्दों को लेकर मन में बसी कुंठा (Inhibition) में होती है।

अगर हम भारत के इस सामाजिक परिवर्तन को एक तुलनात्मक कैनवास पर उतारकर देखें, तो दो पीढ़ियों का अंतर साफ झलकता है:

अभिव्यक्ति का तरीका: पुरानी पीढ़ी का मानना था कि 'बड़प्पन' और 'सभ्यता' बात को घुमा-फिरा-कर, पर्दों में लपेटकर और आधी-अधूरी छोड़ने में है। वहीं जेन जी का सिद्धांत है—नो-फिल्टर, स्ट्रेट टू द पॉइंट।

सामाजिक प्रतिक्रिया: जहां पुरानी पीढ़ी हमेशा इस बात से डरती रही कि ₹चार लोग क्या कहेंगे?₹, वहीं जेन जी ने उस 'चार लोग' नामक काल्पनिक भूत को ही कटघरे में खड़ा कर दिया कि ₹तुम होते कौन हो कहने वाले?

मानसिकता: पुरानी पीढ़ी ने परंपरा के नाम पर संकोच को ओढ़ा, जबकि नई पीढ़ी ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण के नाम पर स्पष्टता (Clarity) को चुना। यह जेन जी की बेबाकी ही है जिसने हमारे समाज के उस 'सभ्य मुखौटे' को उतार फेंका है, जिसे हम बरसों से पहनकर घूम रहे थे। हम एक ऐसा समाज रहे हैं जो बंद कमरों में, दोस्तों के बीच या इंटरनेट की सर्च हिस्ट्री में सब कुछ देख-सुन लेता है, लेकिन जैसे ही चार लोगों के बीच बैठता है, अचानक 'संस्कृति का रक्षक' बन जाता है।

जेन जी ने जंतर-मंतर पर आकर बस इतना किया कि उन्होंने उस बंद कमरे और चौराहे के बीच की दीवार को ढहा दिया। उन्होंने समाज को आईना दिखाते हुए कहा कि आपकी यह शराफत दरअसल शराफत नहीं, बल्कि एक सामाजिक पाखंड है।

बेशक, नई पीढ़ी के इस बेबाक अंदाज में कभी-कभी लाउडनेस या थोड़ा नाटकीयपन लग सकता है—क्योंकि जब कोई दरवाजा सालों से जाम हो और उसे अचानक खोला जाए, तो थोड़ी आवाज होना स्वाभाविक है। लेकिन उनके इरादे पर शक नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह साबित कर दिया कि असली 'सभ्यता' बातों को छिपाने में नहीं, बल्कि सच को सच कहने की हिम्मत में है।

जंतर-मंतर के इस प्रदर्शन ने देश को एक बहुत बड़ा संदेश दे दिया है।

- सुशांत

डिजिटल क्रांति ने ...

ललित गर्ग

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है। माता-पिता और संतान, भाई-बहन, दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़ती दूरी अब पति-पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा।

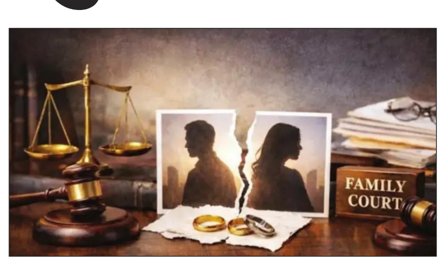

ऐसे घटनाएं बार-बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणाम-स्वरूप रिश्ते धीरे-धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख-सुवि-धाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है- 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।

भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन-मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा-दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना-नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह सुरक्षा-कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति-पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।

डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग-अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है। भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी-'मैं' से पहले 'हम' का भाव।

जनपद प्रतापगढ़ में अनाथ एवं निराश्रित बच्चों का स्वर्णिम भविष्य गढ़ रही 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना'

प्रदेश में अनाथ, निराश्रित और आर्थिक संकट का सामना कर रहे बच्चों को सामाजिक सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)' का संवेदनशील एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार की यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जो माता-पिता अथवा किसी एक अभिभावक को खो चुके बच्चों के जीवन में नई उम्मीद जगा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संसाधनों एवं आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बीच में न छूटे और उनका भविष्य सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बन सके। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित इस दूरदर्शी योजना के अंतर्गत मार्च-2020 के बाद जिन बच्चों के माता, पिता अथवा दोनों का असमय निधन हो गया है, उन्हें शिक्षा, पोषण और दैनिक आवश्यक-ताओं की पूर्ति के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह धनराशि बच्चों के 23 वर्ष की आयु तक अथवा शिक्षा ग्रहण करने की अवधि तक सीधे लाभार्थी या उनके विधिक अभिभावक के बैंक खाते में पारदर्शी प्रक्रिया (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक प्रगति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले पात्र छात्र-छात्राओं को डिजिटल माध्यमों से अपनी पढ़ाई सुचारू रखने हेतु निःशुल्क टैबलेट अथवा स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त निराश्रित बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य हेतु विवाह योग्य आयु होने पर आर्थिक सहायता का विशेष प्रावधान किया गया है तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच व परामर्श की व्यवस्था भी की जा रही है।

प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपदों में योजना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर आवेदन प्रक्रिया को अत्यंत सरल और सुलभ बनाया गया है ताकि प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पारदर्शी चिह्निकरण और सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक पात्र बच्चे तक योजना का लाभ पहुँचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ में भी महिला कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से योजना का बेहद सफल और प्रभावी क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। जनपद में वित्तीय वर्ष 2026-27 के जून माह तक 471 नए लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। वर्तमान समय में प्रतापगढ़ जनपद के कुल 2,907 बच्चे इस कल्याणकारी योजना के माध्यम से प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के इस सफल क्रियान्वयन का एक प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद प्रतापगढ़ के टक्करगंज की निवासी और कक्षा-8 की होनहार छात्रा दर्पिता सिंह हैं। दर्पिता के पिता स्वर्गीय प्रदीप सिंह के आकस्मिक और असमय निधन के बाद परिवार पर आर्थिक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। परिवार की दयनीय स्थिति के कारण दर्पिता की माता प्रतिभा वर्मा के सामने बेटी की पढ़ाई जारी रखने और उसके भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा हो गई थी।

जरा हटके

भारत के ग्रामीण...

रवि यादव, सूचना अधिकारी

ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस पहल

प्रदेश में स्थापित ऊर्जा वन हरित भविष्य

वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीक-रण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत जैसे विशाल ग्रामीण आबादी वाले देश में आज भी बड़ी संख्या में परिवार भोजन पकाने और घरेलू आवश्यकताओं के लिए जलौनी लकड़ी पर निर्भर हैं। इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक वनों पर दबाव बढ़ता है, जिससे वनों का क्षरण, जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव तथा पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत ऊर्जा वन स्थापित करने की अभिनव पहल की है। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है। प्रदेश

के प्रत्येक विकास खण्ड में ऊर्जा वन स्थापित कर सरकार ने भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा पर्यावरणीय संतुलन दोनों को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ी संख्या में परिवार ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग करते हैं। विशेषकर वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों की दैनिक आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा जलौनी लकड़ी पर आधारित है। लगातार बढ़ती मांग के कारण प्राकृतिक वनों से लकड़ी का दोहन बढ़ता है, जिससे वन संपदा पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में जारी रिपोर्ट के अनुसार वनों के निकट रहने वाले ग्रामीण अक्सर जलौनी लकड़ी का उपयोग करते हैं। देश में वन क्षेत्रों के आसपास करोड़ों ग्रामीण निवास करते हैं। जलौनी लकड़ी की मांग अत्यंत व्यापक है और यदि इसका वैकल्पिक एवं नियोजित समाधान विकसित नहीं किया गया, तो भविष्य में प्राकृतिक वनों पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा वनों की अवधारणा एक व्यावहारिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान के रूप में प्रदेश सरकार ने ठोस कदम उठाए है। ऊर्जा वन ऐसे विशेष वृक्षारोपण क्षेत्र हैं, जहां तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण किया जाता है ताकि अपेक्षाकृत कम समय में पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध हो सके। इन वनों का उद्देश्य प्राकृतिक वनों पर निर्भरता कम करना, ग्रामीण क्षेत्रों में जलौनी लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 23 जुलाई 2026 को आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में न्यूनतम एक हेक्टेयर क्षेत्र में ऊर्जा वन स्थापित किए। इस पहल का उद्देश्य भविष्य में जलौनी लकड़ी की आवश्यकता को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना तथा प्राकृतिक वनों को अनावश्यक दोहन से बचाना है। ऊर्जा वनों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनमें ऐसी प्रजातियों का चयन किया जाए जो कम समय में तेजी से विकसित हों तथा पर्याप्त मात्रा में बायोमास उपलब्ध करा सकें। इसी उद्देश्य से ऊर्जा वनों में सिरस, बबूल, सुबबूल, गुटेल तथा कदम्ब जैसी तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण किया गया। इन वृक्षों की विशेषता यह है कि ये अपेक्षाकृत कम समय में विकसित होकर पर्याप्त लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। साथ ही ये विभिन्न प्रकार की जलवायु एवं भूमि परिस्थितियों में भी अच्छी वृद्धि करते हैं। इन प्रजातियों से प्राप्त लकड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन के रूप में उपयोगी होने के साथ-साथ पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी है। ऊर्जा वन स्थापना का अभियान प्रदेश के सभी विकास खण्डों में एक साथ संचालित किया गया। प्रत्येक विकास खण्ड में न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि पर ऊर्जा वन विकसित किए गए, जिससे यह अभियान पूरे प्रदेश में समान रूप से लागू हो सका। इस महाअभियान के अंतर्गत 242.40200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2,81,233 पौधों का रोपण किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए एक व्यापक और योजनाबद्ध कार्यक्रम लागू किया है। ऊर्जा वनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे प्राकृतिक वनों से जलौनी लकड़ी की कटाई की आवश्यकता कम होगी। जब ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकसित ऊर्जा वनों से ईंधन उपलब्ध होगा, तब प्राकृतिक वन अपने मूल स्वरूप में सुरक्षित रह सकेंगे। इससे वनों में रहने वाले वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहेगा, जैव विविधता का संरक्षण होगा तथा वनों की पारिस्थितिकी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दादा-दादी, नाती-पोते को ट्रक ने रौंदा, चारों की मौत

संतकबीर नगर में घर के बाहर बैठे थे, 60 की स्पीड में ट्रक कुचलता चला गया

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

संतकबीर नगर। यूपी के संतकबीरनगर में सोमवार सुबह एक परिवार के 4 लोगों को ट्रक ने रौंद दिया। ये सभी घर के बाहर बैठे हुए थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक आया। चारपाई पर बैठे दादा-दादी, नाती और पोते को रौंदता हुआ घर में घुस गया। ट्रक की रफ्तार करीब 60 किमी थी। ऐसे में किसी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक हटवाकर दबे हुए शवों को बाहर निकाला। हादसा सुबह 5:30 बजे बस्ती-खलीलाबाद हाइवे पर जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर हुआ ।

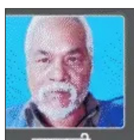
लालजी

आदर्श

ज्ञानमती

इसमें लालजी (62), उनकी पत्नी ज्ञानमती (60), पोते आदर्श (12) और नाती सत्यम (6) की मौत हो गई। शुरुआती जांच में हादसे की वजह ड्राइवर को झपकी आना माना जा रहा है। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए।

खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के कुर्थिया चौराहे के पास हाईवे के किनारे लालजी पुत्र गनपत का दो कमरे का मकान है। मकान में आगे की ओर टीनशेड लगा रखा है। परिवार में पत्नी ज्ञानमती के अलावा बेटा अनिल, बहू लक्ष्मी और पोता आदर्श था। बड़ी बेटी प्रेमलता की शादी राजेश निवासी पकरी आराजी, थाना दुधारा के साथ हुई है। अनिल शहर में ही एक प्राइवेट हॉस्पिटल की गाड़ी चलाते हैं। लालजी लंबे समय पैरालाइज हैं। वो चल फिर नहीं सकते। लिहाजा टीनशेड के नीचे चारपाई पर ही लेटे रहते थे। रविवार की शाम को उनकी बेटी प्रेमलता उन्हें देखने अपने बेटे सत्यम के साथ पहुंची थी। प्रेमलता ने रोते हुए बताया- सुबह मम्मी-पापा चारपाई पर बैठे थे। अंदर कमरे में सो रहा भतीजा आदर्श और बेटा सत्यम भी उठकर बाहर आ गया। दोनों मेरा चारपाई पर लेटकर मोबाइल देखने लगे। इस बीच ट्रक ने सभी को रौंद दिया। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना पर एडिशनल एसपी, सीओ, कोतवाल और ट्रैफिक इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस से शवों को जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी भिजवाया। ट्रक को क्रेन से निकलवाकर कब्जे में ले लिया है। ट्रक मुरादाबाद के नंबर पर

परिवार बोला- लाश के बदले लाश चाहिए

प्रेमलता ने बताया- मैं घर के पास ही हैंडपंप पर पानी लेने गई थी। तभी हादसा हो गया। पापा की शव के टुकड़े जमीन से चिपक गए। ट्रक ड्राइवर नशे में था।

सुबह-सुबह शराब पीकर कौन गाड़ी चलाता है। उसने मेरे परिवार को मारा है। वो हत्यारा है। मुझे मेरे बच्चों की लाश के बदले उसकी लाश चाहिए। गाड़ी के मालिक को मौके पर बुलाया जाए।

- बीमार पिता लालजी को देखने आई बेटी प्रेमलता के बेटे सत्यम की हादसे में जान चली गई। प्रेमलता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।
- ट्रक को पुलिस ने क्रेन की मदद से बाहर निकाला और कब्जे में ले लिया।
- प्रेमलता ने रोते हुए बताया कि ट्रक चालक ने मेरे परिवार को मारा है, उसे फांसी की सजा होनी चाहिए।

महिला पीसीएस अफसर को ऑफिस में घुसकर धमकी दी

बोला- मेरे पक्ष में फैसला नहीं किया, तो प्रयागराज में रहने नहीं देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

एडिशनल कमिश्नर जयजीत कौर

प्रयागराज। प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर जयजीत कौर से उनके ऑफिस में घुसकर गाली-गलौज करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। एडिशनल कमिश्नर का आरोप है कि उनके ऑफिस में एक युवक अपने साथियों के साथ घुस आया। उसने धमकी दी कि अगर मेरे पक्ष में फैसला नहीं किया, तो प्रयागराज में रहने नहीं देंगे। बात नहीं मानने पर अपशब्द कहे और जान से मारने की धमकी दी। कर्नलगंज पुलिस ने सोमवार सुबह एक नामजद और 10-12 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है। जयजीत कौर प्रयागराज में एडिशनल कमिश्नर (न्यायिक) के पद पर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को बताया- मेरा ऑफिस कमिश्नर ऑफिस परिसर में है। 17 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे हंडिया में रहने वाला पवन कुमार विश्वकर्मा अपने 10-12 साथियों के साथ मेरे ऑफिस आया। वह मुझसे एक विचाराधीन मामले में अपने पक्ष में फैसला देने की बात कहने लगा।

इस पर मैंने कहा कि किसी भी वाद का निस्तारण केवल गुण-दोष और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर किया जाएगा। यह सुनकर पवन और उसके साथी भड़क गए। उन्होंने मुझसे गाली-गलौज की और देख लेने की धमकी दी। यही नहीं, पवन और उसके साथियों ने कमिश्नर ऑफिस परिसर में नारेबाजी भी की। इससे कुछ समय के लिए सरकार कामकाज प्रभावित हुआ।

फास्ट न्यूज

महिला ने चाकू से खुद का गला काटा

नरवल। कानपुर में ससुराल वालों से परेशान होकर महिला ने चाकू से खुद का गला काट लिया। खून से लथपथ होकर तड़पती रही। रविवार सुबह 4 बजे परिवार के लोगों ने गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। जहां रुखसाना (33) की देर रात करीब 12 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

बस ने बाइक को मारी टक्कर, किशोर की मौत

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में अयोध्या-प्रयागराज हाइवे बाईपास पर सोमवार को लगभग 3 :30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के नकराही गांव के पास एक स्कूल बस ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के भोंएं गांव निवासी 12 वर्षीय दिवस पुत्र लालजी के रूप में हुई है। हादसे में घायल 22 वर्षीय अर्जुन पुत्र रतिपाल को राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर से गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है।

बाराबंकी में प्रेमी युगल ने 5 घंटे के अंतराल में दी जान

बाराबंकी। बाराबंकी में सोमवार सुबह प्रेमी और उसकी नाबालिग प्रेमिका ने फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों ने करीब 5 घंटे के भीतर अलग-अलग जगह आत्महत्या की।

एक दिन पहले दोनों मुंबई भागने के लिए घर से निकले थे, लेकिन पुलिस और रेलवे अधिकारियों की सूचना पर घरवाले समझा-बुझाकर उन्हें वापस घर ले आए थे। सोमवार सुबह लड़का घर से लापता हो गया।

अतिक्रमण पर बुलडोजर चला तो युवती बेहोश हुई

वनखंडेश्वर मंदिर के बाहर फूल-माला बेचती है

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में सावन शुरू होने से पहले नगर निगम ने शहर के प्रमुख शिव मंदिरों के आसपास विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया है। सोमवार को जोन-4 की टीम ने पीरोड स्थित बाबा वनखंडेश्वर मंदिर के आसपास कार्रवाई की। अभियान के दौरान फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण हटाया जा रहा था, इसी बीच मंदिर के बाहर फूल बेचने वाली एक युवती अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। यह देखकर मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। नगर निगम की टीम ने दुकानदारों और ठेला संचालकों को चेतावनी दी कि फुटपाथ पर दोबारा अतिक्रमण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से

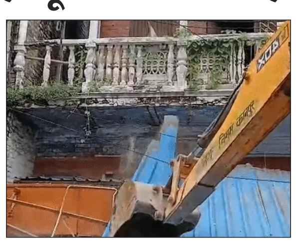

संपन्न हो सके। नगर निगम का अतिक्रमण अभियान पीरोड से मोहम्मद अली पार्क तक चलाया गया। कार्रवाई के दौरान मंदिर के बाहर फूल बेचने वाली साधना सैनी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। यह देखकर मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उसकी मदद की और उसे संभालकर घर पहुंचाया। लोगों ने बताया कि अतिक्रमण अभियान देखकर उसकी अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण वह बेहोश हुई थी।

उन्नाव में शहीदों को श्रद्धांजलि, परिजनों को सम्मान राशि प्रदान की

कारगिल विजय दिवस पर डीएम ने वीरांगनाओं को चेक सौंपे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में 27वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सोमवार दोपहर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में हुए इस समारोह में कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान शहीद स्मारक पर माल्यार्पण, दो मिनट का मौन, शहीद परिवारों का सम्मान और पौधरोपण जैसे आयोजन हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर स्थित शहीद स्मारक पर जिलाधिकारी द्वारा माल्यार्पण और पुष्प अर्पित करने से हुई। इसके बाद उपस्थित

अधिकारियों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों ने दो मिनट का मौन रखकर कारगिल के वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश सरकार की कारगिल शहीद परिवार पेंशन योजना के तहत जनपद के एकमात्र कारगिल शहीद लांस नायक अमर बहादुर सिंह की वीरांगना श्रीमती मिथलेश को ₹22,500 का चेक प्रदान किया। शहीद के माता-पिता मनमोहन सिंह एवं रामप्यारी को भी 15,000 की सम्मान राशि का चेक भेंट किया गया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कहा कि देश शहीद सैनिकों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने शहीद परिवारों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा और प्रशासन उनके कल्याण के लिए हर संभव सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों से किसी भी समस्या के समाधान के लिए सीधे प्रशासन से संपर्क करने का आग्रह किया। कारगिल विजय दिवस समारोह के उपलक्ष्य में शहीदों के सम्मान में सैनिकों और उनके परिवारों के साथ केक भी काटा गया। इस दौरान देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के साहस और बलिदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी ने ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के तहत सैनिक कल्याण कार्यालय परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने संदेश दिया कि शहीदों की स्मृति को सम्मान देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

डीएम ने मुड़िया पूर्णिमा मेला व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

परिक्रमा मार्ग पर सुविधाओं का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मुड़िया पूर्णिमा मेला-2026 के दृष्टिगत गोवर्धन परिक्रमा मार्ग, सीसीटीवी कंट्रोल रूम एवं मेला क्षेत्र का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम पहुंचकर श्रद्धालुओं, पर्यटकों, दर्शनार्थियों एवं परिक्रमार्थियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए की गई निगरानी व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद

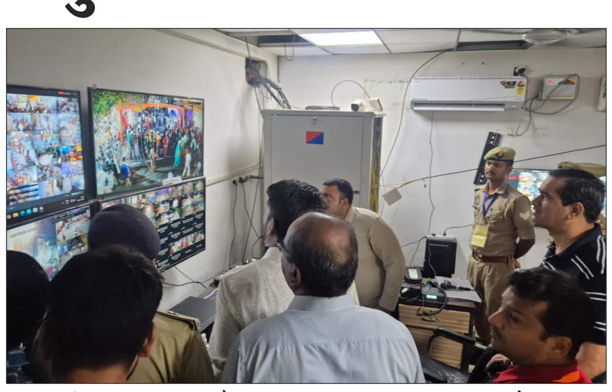

श्रद्धालुओं की संख्या और भीड़ प्रबंधन की स्थिति की भी जानकारी ली। इसके बाद जिलाधिकारी ने पैदल परिक्रमा मार्ग का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, भंडारों की व्यवस्था, पार्किंग तथा प्रकाश व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जेल में दोनों की दोस्ती हुई, चार महीने पहले छूटे, फिर 21 लाख की चोरी की

रिटायर्ड प्लाटून कमांडर के घर चोरी करने वाले 2 अरेस्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नपुर। कानपुर के हनुमंत विहार में पीएसी के रिटायर प्लाटून कमांडर के घर से 21 लाख की चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान नजीराबाद के लोहारन भट्टा निवासी पवन उर्फ रवि चौरसिया व बाबूपुरवा निवासी राहुल कनौजिया के रूप में हुई है। नजीराबाद में 90 लाख की चोरी के मामले में आरोपी जेल गए थे। चार महीने पहले ही दोनों जेल से छूटे थे, जेल में ही दोनों की दोस्ती हुई थी। चोरों ने अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे जेवर और नकदी पार कर ले गए। उन्होंने बताया था कि दूसरी मंजिल पर सो रहा नाती काफी देर तक नहीं जागा।

चोरी के बाद तौलिया छोड़ गए थे आरोपी

आरोपियों ने उनकी पत्नी कलावती, बड़ी बहू पिंकी, छोटी बहू ममता और बेटी ममता के करीब 19.50 लाख कीमत के जेवरात और 1.20 लाख कैश पार कर दिया था।

मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले जिसमें दोनों आरोपी तौलिया ओढ़कर वारदात को अंजाम देते हुए कैद हो गए थे। चोरी के दौरान एक आरोपी की तौलिया घटनास्थल में ही छूट गई थी।

24 जुलाई को वारदात को दिया था अंजाम

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने सोमवार दोपहर 2:30 बजे घटना का खुलासा करते हुए बताया कि बख्तौरीपुरवा निवासी फूल सिंह पीएसी से प्लाटून कमांडर पद से रिटायर हैं। 24 जुलाई को बहू मकान के पीछे स्थित प्लॉट में बंधे पशुओं की देखरेख के लिए गई थी। इस दौरान मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था।

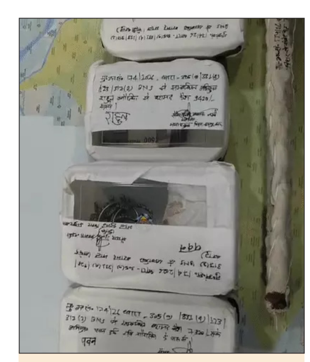

नजीराबाद में 90 लाख की चोरी में जेल गए थे

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी बंद घरों की रेकी कर उन्हें निशाना बनाते थे। आरोपी पवन के खिलाफ चोरी, आर्म्स एक्ट में 9 व राहुल कनौजिया पर 16 मुकदमे दर्ज है आरोपी चार महीने पहले नजीराबाद इलाके में 90 लाख की चोरी करने के मामले में जेल गए थे। नजीराबाद में चोरी के दौरान उन्हें कारतूस से भरा बैग व एक पिस्टल बरामद हुई थी। जिससे उन्होंने फायरिंग भी की थी, गोली टेंपो में गोली लगने से भगदड़ मच गई थी।

वारदात : गाजियाबाद में बच्चा संभालने के लिए रखा था, पहले दिन ही की चोरी

नौकरानी ने 5 सेकेंड में चुराया आईफोन

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में नौकरानी ने घर में रखा आई-फोन चोरी कर लिया। महज 5 सेकेंड में उसने टेबल से आईफोन उठाया और अपने कपड़ों में छिपा लिया। मालिक ने पूछा तो कहा कि मुझे कुछ नहीं पता। फिर मालिक पर ही भड़क गई। फिर वहां से चली गई। मालिक ने घर में काफी ढूंढा, लेकिन फोन नहीं मिला। बाद में उन्होंने CCTV चेक किए। इसमें नौकरानी फोन चोरी करते नजर आई।

मालिक ने CCTV के साथ पुलिस को FIR के लिए शिकायत दी। फोन की कीमत करीब एक लाख 40 हजार रुपए है।

पूरा मामला क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके की पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी का है। घटना रविवार

नितिन कुमार ने बताया- मेरा 10वीं फ्लोर पर फ्लैट है। मैं और मेरी पत्नी अक्सर अपने काम से बाहर भी चले जाते हैं। अचानक मुझे मेड की जरूरत थी। मैंने सोसाइटी के गेट पर लिखवाया था कि हमें मेड की जरूरत है। नौकरानी रखने के लिए सोसाइटी के पदाधिकारी से संपर्क किया जाता है। यही मेड रखने की प्रक्रिया है।

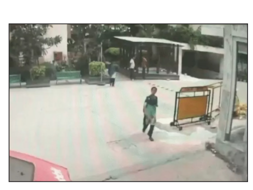

शाम 4:31 बजे की है। CCTV सोमवार को सामने आया। आरोपी नौकरानी का नाम पूजा (32) है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना प्रभारी श्वेता सिंह का कहना है- आई-फोन चोरी करने की शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

सीसीटीवी फुटेज भी दिया गया है। नितिन कुमार, पत्नी शिल्पा यादव के साथ पैरामाउंट सिम्फनी सोसाइटी में रहते हैं। दोनों का 1 साल का बेटा है। नितिन मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर हैं। शिल्पा भी जॉब करती हैं। बेटे की देखभाल के लिए उन्होंने रजनी नाम की मेड लगा रखी थी।

रजनी 4-5 दिन की छुट्टी पर गई थी। ऐसे में नितिन ने सोसाइटी में ही काम करने वाली पूनम उर्फ पूजा को अस्थायी तौर पर बेटे की देखरेख के लिए रख लिया था। क्योंकि, पूजा आसपास के फ्लैट में काम करती थी, इसलिए उन्होंने ज्यादा जांच पड़ताल नहीं की।

इसके बाद एक व्यक्ति ने संपर्क किया था। लेकिन, पूजा नाम की मेड ने पहले ही दिन आई फोन चुरा लिया। सीसीटीवी फुटेज की वजह से पूरी सच्चाई सामने आ गई। अगर सीसीटीवी ना होता तो लोग यकीन भी नहीं करते। मेरा 1 साल का बेटा है।

10 मिनट के लिए नीचे गए तो आई-फोन चुराया

नितिन रविवार को 10 मिनट के लिए फ्लैट से बाहर गए थे। वापस आए तो उन्हें अपना आईफोन नहीं मिल रहा था। काफी देर तक तलाशते रहे। फिर उन्होंने पूजा से पूछा। उसने जवाब दिया- साहब हमें कोई फोन नहीं मिला। बाद में नितिन ने घर में लगे CCTV चेक किए तो पूजा की पोल खुल गई। नितिन की पत्नी शिल्पा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि रविवार को पूनम पहली बार फ्लैट पर काम करने आई थी।

अमरनाथ गर्ल्स कॉलेज में 'कैच द रेन-2026' अभियान का समापन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में आयोजित 'कैच द रेन-2026' के सात दिवसीय विशेष अभियान का गुरुवार को समापन हो गया। 21 से 26 जुलाई तक चले अभियान के दौरान जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, जनजागरूकता रैली, जल संचयन कार्यशाला तथा वर्षा जल संरक्षण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की मुख्य समन्वयक डॉ. पूनम तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मादक पदार्थों का बढ़ता प्रयोग

और पर्यावरण प्रदूषण आज देश के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि एनएसएस स्वयंसेवकों से समाज और राष्ट्रहित में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा है। साथ ही भूजल स्तर में लगातार हो रही गिरावट पर चिंता व्यक्त करते हुए छात्राओं से जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। महाविद्यालय की एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीता तिवारी ने मुख्य अतिथि डॉ. पूनम तिवारी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. एस.के. मिश्रा का स्मृति चिह्न एवं पटका भेंट कर स्वागत किया।

बी.आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सहायक समन्वयक डॉ. एस.के. मिश्रा ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि वर्षा जल का प्रभावी संचयन किया जाए तो जल संकट को काफी हद तक दूर किया जा सकता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

समापन समारोह में सात दिवसीय अभियान के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोरमा कौशिक ने किया, जबकि संयोजन दामोदर घोष एवं शायमा मुस्तफा ने किया।

कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के मुख्य समन्वयक डॉ. निर्मल वर्मा ने बताया कि अभियान में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विश्वविद्यालय व राज्य सरकार के निर्देशानुसार सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किए गए।

आगरा दौरे पर सीएम योगी ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

विधानसभा चुनाव से पहले संगठन को किया मजबूत, जनप्रतिनिधियों से लेकर मंडल स्तर तक संवाद

मुलाकात

342 करोड़ की विकास परियोजनाओं की दी सौगात

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में दो दिवसीय दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनका उत्साह बढ़ा गए। 342 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात तो दी ही, भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भी भरा। बड़े से लेकर छोटे नेताओं तक से मुलाकात की। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और आम लोगों के बीच अपनी पकड़ को और मजबूत करने का प्रयास किया। जनप्रतिनिधियों से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं, सामाजिक व कारोबारी संगठनों से मुलाकात कर उन्होंने उनके साथ खूब तस्वीरें भी खिंचवाईं। इसे मुख्यमंत्री की बदली हुई रणनीति और विधानसभा चुनाव से पहले सभी को एकजुट करने की पहल के तौर पर देखा जा रहा है।

सीएम से मिलकर कार्यकर्ता भी उत्साहित दिख रहे हैं। दरअसल, अगले 5 से 6 महीने में यूपी में विधानसभा चुनाव होना है। पिछले दो विधानसभा चुनावों में भाजपा ने आगरा में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया। भाजपा प्रत्याशियों को आगरा के वोटरों ने जबरदस्त समर्थन दिया। जिले की सभी 9 सीटों पर जीत मिली। 2017 के चुनाव में तो 3 प्रत्याशियों को 50% से अधिक वोट मिले। किसी भी प्रत्याशी को 40% से कम वोट नहीं मिले। 2022 के विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने 2017 के परिणाम को रिपीट कर सभी सीटों को बरकरार रखा। अधिकारियों के साथ बैठक कर वे सीधे अपनी अगली मंजिल की ओर रवाना हो जाते थे। मगर, अब वे मंडल स्तर तक के भाजपा कार्यकर्ताओं से सीधे मुलाकात कर रहे हैं।

25 जुलाई को फतेहाबाद रोड स्थित टाटा मैदान आयोजित सभा से पहले पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ मंडल अध्यक्ष भी उनके स्वागत को हेलीपैड तक पहुंचे थे। सीएम ने न सिर्फ अभिवादन स्वीकार कर इनका उत्साहवर्धन किया था बल्कि उनसे बातचीत कर उनमें जोश भी भरने का काम किया।

25 जुलाई को अधिकारियों के साथ मीटिंग के बाद देर रात तक सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्षों से भी मिले।

26 जुलाई की सुबह सर्किट हाउस में पूर्व पदाधिकारियों और कुछ पार्षदों से भी मिले थे।

26 जुलाई को सर्किट हाउस में

- सीएम योगी आदित्यनाथ आगरा में पूर्व महानगर अध्यक्ष भानु महाजन के आवास पर भी पहुंचे थे।
- हेलीपैड पर पूर्व विधायक चौधरी उदयभान सिंह से बातचीत करते सीएम योगी।

पहले जनप्रतिनिधियों से मिलते थे सीएम, अब कार्यकताओं से मुलाकात

पार्टी के पदाधिकारियों के साथ-साथ पूर्व पदाधिकारियों और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात कर रहे हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा को देखते हुए सभी से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की अपील की। इससे पहले CM योगी जब भी आगरा आए तो उन्होंने सिर्फ जनप्रतिनिधियों से ही मुलाकात की थी।

कारोबारियों से भी उन्होंने मुलाकात कर आगरा के संबंध में चर्चा की थी। 26 जुलाई को पूर्व महानगर अध्यक्ष भानु महाजन के आवास पर पहुंचकर उनके पिता व पूर्व महानगर अध्यक्ष अनिल महाजन के निधन पर शोक संवेदना भी व्यक्त की थी।

सीएम योगी अभी से सक्रिय हुए

ऐसे में भाजपा ब्रज में अपनी पकड़ को कमजोर नहीं होने देना चाहती। पिछले दो चुनावों की तरह से 2027 में भी ब्रज में प्रचंड जीत के साथ भाजपा प्रदेश में एक बार फिर से सत्ता पर काबिज होना चाहती है। ऐसे में सीएम योगी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। चुनाव नजदीक देख वे सिर्फ अधिकारियों के साथ मीटिंग करने या जनसभा तक ही सीमित नहीं रहे।

मुरादाबाद के सरकारी स्कूलों में घट रहे छात्र

स्कूल चलो अभियान के बावजूद एडमिशन में गिरावट

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले के परिषदीय विद्यालयों में छात्रों के नामांकन में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले पांच वर्षों में सरकारी स्कूलों से करीब 46 हजार विद्यार्थी कम हुए हैं। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से हर साल चलाए जाने वाले 'स्कूल चलो अभियान' के बावजूद नामांकन में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो सकी है। चालू शैक्षणिक सत्र में भी नामांकन का ग्राफ नीचे रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष 30 सितंबर तक जिले के परिषदीय विद्यालयों में 1.57 लाख विद्यार्थियों का नामांकन हुआ था, जबकि इस वर्ष अब तक करीब 1.51 लाख बच्चों का ही प्रवेश हुआ है। यानी पिछले वर्ष की तुलना में लगभग छह हजार कम और करीब तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई

है। जिले के 1,408 परिषदीय विद्यालयों में अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कराने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने इस वर्ष भी दो चरणों में 'स्कूल चलो अभियान' चलाया। पहला चरण 1 अप्रैल से 15 अप्रैल और दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई तक आयोजित किया गया। अभियान के दौरान जागरूकता रैलियां निकाली गईं, अभिभावकों से घर-घर संपर्क किया गया और विद्यालय प्रबंध समितियों के सहयोग से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

फास्ट न्यूज

गोवर्धन में बंदर के हमले से मासूम घायल

मथुरा। गोवर्धन में परिक्रमा करने आए मध्य प्रदेश के 7 वर्षीय बच्चे वरुण को एक बंदर ने हमला कर घायल कर दिया। घटना के बाद परिजनों को बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोवर्धन ले जाना पड़ा, जहां काफी मशक्कत के बाद उसे रेबीज का टीका लगाया जा सका। मध्य प्रदेश के बारां जिले के निवासी मनमोहन का पुत्र वरुण अपनी मां और दादी के साथ गोवर्धन परिक्रमा के लिए आया था। परिक्रमा मार्ग में एक हिंसक बंदर ने मासूम वरुण पर हमला कर उसे काट लिया।

ताजमहल पर बंदर ने कोरिया की पर्यटक को काटा

आगरा। आगरा में ताजमहल पर एक बंदर ने कोरिया की महिला पर्यटक पर हमला कर दिया। बंदर ने पर्यटक के हाथ में काट लिया। उसके हाथ से खून की धारा बह निकली। करीब एक घंटे तक पर्यटक को एंबुलेंस नहीं मिली। वह दर्द से तड़पती रही। तब महिला के साथी ने वहां पर मौजूद लोगों से पूछा कि व्हेयर वी गो? इसके बाद घायल महिला पर्यटक को ताजमहल में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां प्राथमिक उपचार किया गया। एंबुलेंस नहीं आने पर पर्यटक को बैटरी कार बुलाकर शांति मांगलिक अस्पताल भेजा गया।

नकली सोने की चेन दिखाकर ठगने वाला गिरफ्तार

आगरा। आगरा में टप्पेबाजी कर नकली सोने की चेन देकर 1 लाख की ठगी करने वाले आरोपी को रकाबगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से नकदी व नकली आभूषण बरामद किए हैं। जहां एक अज्ञात व्यक्ति उससे मिला। लालच में आकर वादी ने आरोपी को 1 लाख दे दिए और चेन लेकर घर लौट आया। बाद में जब उसने चेन सुनार को दिखाई तो पता चला कि वह नकली है।

मुख्यमंत्री के 18 से 20 घंटे बिजली आपूर्ति के आदेशों को हवा में उडा रहे बिजली विभाग

पानीगांव में बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर की खराबी से ग्रामीणों का फूटा गुस्सा..

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 से 20 घंटे विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन पानीगांव में लगातार हो रही बिजली कटौती और ट्रांसफार्मर की खराबी से ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। रविवार शाम लक्ष्मीनगर मथुरा बिजलीघर फीडर से जुड़े पानीगांव के ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई और एसडीओ व जेई के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पिछले करीब छह माह से विधुत ट्रांसफार्मर की खराबी और मनमाने ढंग से लगातार बिजली कटौती की जा रही है। उमस भरी भीषण गर्मी में बिजली न आने के कारण लोगों को रातभर छतों पर बैठकर रात गुजारने को मजबूर होना पड़ रहा है।

- उमस भरी गर्मी में बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ लगाए मुर्दाबाद के नारे।

ग्रामीणों का कहना है कि कई बार टोल फ्री नंबर 1912 और संबंधित विद्युत अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

स्थानीय ग्रामीण सतीश चंद्र और राजवीर सिंह ने बताया कि लंबे समय से गांव में बिजली आपूर्ति व्यवस्था खराब बनी हुई है। आए दिन बिजली कटौती के साथ ही समय-समय पर ट्रांसफॉर्मर में खराबी आने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बिजली बिलों में बढ़ोतरी को लेकर भी नाराजगी जताई।

ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर मुख्यमंत्री द्वारा गांवों में 18 से 20 घंटे बिजली आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं, वहीं दूसरी ओर पानीगांव में रात के समय अधिकांश घरों में अंधेरा छाया रहता है। शिकायत करने के लिए अधिकारियों को फोन किया जाता है तो कई बार फोन नहीं उठाया जाता और फोन उठने पर भी समस्या का समाधान नहीं होता।

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने एकजुट होकर विद्युत विभाग के खिलाफ विरोध जताते हुए जल्द से जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

गौ रक्षक दल ने निकाला पैदल मार्च

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग, डीएम को सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने, गौ रक्षकों को कानूनी संरक्षण देने और गौ तस्करी के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग को लेकर सोमवार को गौ रक्षक दल ने अलीगढ़ में पैदल मार्च निकाला। कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। गौ रक्षक दल के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने, गौ रक्षकों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने और गौ तस्करी पर प्रभावी एवं कठोर कानून लागू करने की मांग की। गौ रक्षक दल के प्रतिनिधि सचिन राघव ने बताया कि आंदोलन चार चरणों में आयोजित किया जा रहा है। पहला चरण 27 अप्रैल को एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर पूरा किया गया था,

जबकि सोमवार को दूसरा चरण संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि संत समाज के मार्गदर्शन में आंदोलन के तीसरे और चौथे चरण का भी आयोजन किया जाएगा। संगठन ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आगे भी शांतिपूर्ण तरीके से अभियान जारी रहेगा।

कलेक्ट्रेट पहुंचकर गौमाता का मुद्दा उठाया

दोपहर करीब एक बजे शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। गौ रक्षक दल अलीगढ़ के संस्थापक सचिन राघव ने बताया कि संगठन लंबे समय से गौ संरक्षण और गौवंश की सुरक्षा के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठा रहा है।

सरकार से जल्द फैसले की मांग

ज्ञापन सौंपने के बाद संगठन ने बताया कि प्रशासन ने इसकी पावती दे दी है। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि जिलाधिकारी उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाएंगे।

संगठन ने कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन के अगले चरणों को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

संगठन ने ज्ञापन में गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने, गौ रक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और गौ तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कानून लागू करने की मांग की। सचिन राघव ने कहा कि गौमाता का देश की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं में विशेष महत्व है, इसलिए सरकार को इस विषय पर गंभीरता से निर्णय लेना चाहिए।

डॉग और बम स्क्वायड की टीम कर रही तलाशी, लाउडस्पीकर से की जा रही अपील

मथुरा रेलवे स्टेशन पर मुड़िया मेले को लेकर हाई अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मुड़िया मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) संयुक्त रूप से डॉग स्क्वायड के साथ स्टेशन परिसर में सघन चेकिंग अभियान चला रही हैं।

सुबह करीब 7 बजे से स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, प्रवेश और निकास द्वारों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की टीमें नियमित रूप से जांच कर रही हैं। पुलिस

यात्रियों और उनके सामान की भी गहन तलाशी ले रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

भीड़ अधिक होने के कारण कई ट्रेनों में धक्का-मुक्की की स्थिति भी देखने को मिल रही है।

> मुड़िया मेले के चलते मथुरा जंक्शन पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। आरपीएफ और जीआरपी के सैकड़ों जवान यात्रियों को सुरक्षित तरीके से ट्रेनों में चढ़ने और उतरने में मदद कर रहे हैं।

यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम

रेलवे प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए स्टेशन पर चिकित्सा शिविर लगाए हैं। यहां यात्रियों को निःशुल्क प्राथमिक उपचार और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा पेयजल, सहायता केंद्र और अतिरिक्त कर्मचारियों की भी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे ने छह विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी और नियमित ट्रेनों पर भीड़ का दबाव कम होगा। रेलवे और पुलिस प्रशासन का लक्ष्य मेले के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा उपलब्ध कराना है।

लाउडस्पीकर से की जा रही अपील

रेलवे पुलिस लगातार लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और ट्रेन में चढ़ते-उतरते समय जल्दबाजी या धक्का-मुक्की नहीं करने की अपील कर रही है, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके।

वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय का 28वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

रक्तदान शिविर व वृक्षारोपण सहित हुए विविध आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय एवं वेंक्टेश्वरा समूह का 28वां स्थापना दिवस सोमवार को उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर वृहद रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, यज्ञ-हवन, भंडारा, केक कटिंग समारोह तथा सांस्कृतिक एवं काव्य संध्या सहित विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी अवसर पर वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि का जन्मदिन भी मेरठ एवं गजरौला दोनों परिसरों में सेवा एवं सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, डॉ. मधु चतुर्वेदी, वित्त निदेशक सीए युवराज सिंह, कुलसचिव डॉ. पीयूष कुमार पांडेय,

डीन मेडिकल प्रभु एम.एच. तथा अन्य अतिथियों ने रक्तदान शिविर का फीता काटकर एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर एवं वृक्षारोपण अभियान में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्थापक अध्यक्ष श्री सुधीर गिरि ने कहा कि लगभग ढाई दशक पूर्व भगवान वेंक्टेश्वरा के नाम पर लगाया गया शिक्षा का यह छोटा-सा पौधा आज विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं समाज के विश्वास के बल पर शिक्षा का विशाल वटवृक्ष बन चुका है।

पृष्ठ 01 का शेष...

पेपरलीक बिल...

नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के प्रदर्शन और उन पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। विपक्ष के सदस्यों ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश की, जिसके चलते सदन की कार्यवाही को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, संशोधन बिल देश के युवाओं का मुद्दा है। विपक्ष पहले दिन से चर्चा की मांग कर रहा था। लेकिन अब आप चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। मैं कांग्रेस पार्टी से अनुरोध करता हूं कि कृपया अपनी साथियों को समझाएं। RJD सांसद मनोज कुमार झा ने 20 जुलाई से नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस बल प्रयोग के मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की है।

'समझौता टूटा...

जबकि दिल्ली और अन्य राज्यों में प्रदर्शन से जुड़े लोगों की निगरानी की जा रही है और उन्हें कथित तौर पर परेशान किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को लॉजिस्टिक सहायता देने वाले कई वॉलंटियर्स को भी हिरासत में लिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी ने मांग की है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तत्काल वापस ली जाएं, गिरफ्तार छात्रों को बिना शर्त रिहा किया जाए और भविष्य में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियों और बीजेपी-शासित राज्यों की पुलिस किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ नया मामला दर्ज न करे। पार्टी का कहना है कि यही पहले हुए समझौते की मूल भावना थी। मैं साफ करना चाहूंगा कि मेरा जो रोल है वो है इन्हें (सीजेपी) कानून के स्तर पर डिफेंड करना है। ये अपना अपना मूवमेंट अपने हिसाब से चलाएंगे। उसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है। बस इतना है कि बीजेपी को हिंदू मुस्लिम नहीं करने देना है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने इन मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं की और समझौते का पालन सुनिश्चित नहीं किया, तो संगठन दोबारा बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर होगा। फिलहाल सरकार या संबंधित एजेंसियों की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सोनम वांगचुक...

सोनम वांगचुक ने कहा- कई लोग कहते रहे कि ऐसे शासन में गांधी जी का रास्ता काम नहीं करेगा, लेकिन मेरी समझ है कि यह रास्ता सरकार से ज्यादा जनता के दिल तक पहुंचता है। सरकार हमारी बात सुने या न सुने, लेकिन जनता जरूर सुनती है। मैंने गांधी जी के इस प्रयोग को सफल होते देखा है। इससे पहले हमने लद्दाख में भी उनके बताए रास्ते पर चलकर आंदोलन किया था। अब मुझे महसूस हुआ कि यह पूरे देश के स्तर पर भी उतना ही प्रभावी है। वांगचुक ने आगे कहा- मैं देशवासियों से कहना चाहता हूं कि बापू के दिखाए रास्ते पर चलें। इससे समाधान जरूर निकलता है। देर हो सकती है, लेकिन अंधेर नहीं होता। जरूरी नहीं कि पहली बार में ही सफलता मिल जाए, लेकिन लगातार प्रयास करने से सफलता जरूर मिलती है। हमें दूसरों को तकलीफ देने के बजाय खुद कठिनाइयों का सामना करना चाहिए। यही रास्ता सबसे कठोर दिल को भी पिघला सकता है। उन्होंने कहा- मैं देश के युवाओं को बधाई देना चाहता हूं। उन सभी लोगों का भी धन्यवाद, जिन्होंने इस आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाया। हमें समझना होगा कि अगर कोई समाधान निकला है तो वह हमारी ताकत, लाठी या पत्थर से नहीं, बल्कि शांति और संयम से निकला है। हमने खुद कष्ट सहा, इसलिए बात आगे बढ़ी। अगर हिंसा होती, तो मामला और बिगड़ सकता था। इसी वजह से मुझे शांतिपूर्ण आंदोलन को भी तय समय से पहले रोकना पड़ा।₹ शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर वांगचुक ने कहा- मुझे पूरी उम्मीद है कि सिस्टम में सुधार होगा। यह सिर्फ एक शुरुआत है। संसद में बिल पर चर्चा हो रही है। इसके बाद जो भी सही हो, उस सिस्टम को अपनाया जाए। पूरी उम्मीद है कि सभी वादे निभाए जाएंगे। जिन्होंने शांति से प्रदर्शन किया, उन पर एक्शन नहीं होगा। जहां भी जनता सवाल करे, वहां के मंत्री और नेता को जवाब देना जरूरी है। डिस्चार्ज होने से पहले सोनम वांगचुक ने वीडियो जारी कर कहा- अब मेरी तबीयत पहले से काफी बेहतर है। मैं धीरे-धीरे खाना खा रहा हूं और शरीर में भी ताकत लौट रही है। जैसे स्विट्जरलैंड से लौटने के बाद अनशन शुरू करने से पहले राजघाट जाकर बापू को श्रद्धांजलि दी थी और फिर जंतर-मंतर पहुंचा था, उसी परंपरा को आज भी दोहराया जाएगा। इसके बाद मैं अपने घर लद्दाख के लिए रवाना हो जाऊंगा।देशभर से छोटे-बड़े, पास-दूर सभी लोगों ने एकजुट होकर इस मुहिम में अपनी आवाज मिलाई। सभी के सहयोग से यह आंदोलन सफल हुआ है और भविष्य में भी जनहित के मुद्दों पर इसी तरह मिलकर आवाज उठाई जाती रहेगी। यह सोनम वांगचुक का पहला अनशन नहीं था। इससे पहले उन्होंने मार्च 2024 में लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने, पूर्ण राज्य का दर्जा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की मांग को लेकर 21 दिन की भूख हड़ताल की थी। इसके बाद सितंबर 2024 में वे 'दिल्ली चलो पदयात्रा' लेकर निकले, लेकिन दिल्ली सीमा पर हिरासत में ले लिए गए। 2025 में लद्दाख में आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने के बाद प्रशासन ने उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में लिया था। बाद में मार्च 2026 में केंद्र सरकार ने NSA के तहत उनकी नजरबंदी का आदेश वापस ले लिया और उन्हें रिहा कर दिया। अब उन्होंने NEET पेपर लीक और परीक्षा सुधार की मांग को लेकर 26 दिन तक अनशन किया, जिसे सरकार से तीन प्रमुख मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद समाप्त किया।

स्ट्रीट फाइटर हूं...

पार्टी ने कहा कि यह पूरी घटना बेहद शर्मनाक है और देश के युवाओं का घोर अपमान है। विपक्षी सांसदों ने चोर-चोर, पेपर चोर जैसे नारे भी लगाए। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि BJP सांसद प्रधान का ऐसे स्वागत कर रहे थे जैसे उन्होंने कोई बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने लिखा- BJP को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या पेपर लीक, चरमराती शिक्षा व्यवस्था, छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन चलाने के बावजूद प्रधान का काम सराहनीय था? अगर नहीं, तो यह सम्मान किसलिए है? और अगर हां, तो क्या BJP देश के युवाओं और छात्रों को यही संदेश देना चाहती है? धर्मेंद्र प्रधान ने 25 जुलाई को इस्तीफे को लेकर X पर चिट्ठी पोस्ट की थी। दो पेज और 575 शब्दों में लिखी इस चिट्ठी में प्रधान ने बाकी बातों के साथ दो जगह युवाओं को भ्रमित करने की बात भी लिखी थी। उसी दिन राष्ट्रपति मुर्मू ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके बाद प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का प्रभार दिया गया।

राहुल गांधी ने...

उसमें केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के प्रभावित आंदोलन करते नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में एक कविता के स्वर गूंज रहे हैं। यह कविता शिक्षा पारीक की है। केन-बेतवा लिंक परियोजना से छतरपुर के 24 गांवों का विस्थापन होना है। आठ गांव डूब क्षेत्र में हैं। 16 गांव पन्ना टाइगर रिजर्व में शामिल किए जाएंगे। डूब क्षेत्र वाले गांवों में ज्यादा विरोध है। ग्रामीण विकसित ग्राम में भूखंड और 5 लाख रुपए मुआवजा मांग रहे हैं, जबकि प्रशासन 12.50 लाख रुपए दे रहा है। स्थानीय ग्रामीण इसके विरोध में पानी के अंदर चिता आंदोलन कर रहे थे। कूपी गांव के बराना नदी घाट से आंदोलनकारियों को 20 जुलाई की सुबह प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में हटा दिया था। प्रशासन का कहना था कि लगातार बारिश और प्रदर्शनकारियों की बिगड़ती तबीयत को देखते हुए कार्रवाई की गई। प्रदर्शन स्थल से हटाए जाने के बाद ग्रामीणों ने अब चूल्हाबंदी आंदोलन शुरू कर दिया है।

सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड टूटा, इस साल टी-20 में 86 छक्के लगाए

वैभव प्लेयर ऑफ द सीरीज जीतने वाले यंगेस्ट प्लेयर

हरारे, एजेंसी

भारत ने तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। सबसे ज्यादा 151 रन बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे इंटर-नेशनल क्रिकेट में यह अवॉर्ड जीतने वाले दुनिया के यंगेस्ट खिलाड़ी बन गए।

हरारे में सूर्यवंशी ने 49 गेंद पर 81 रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में ऐसा करने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सूर्यवंशी इस साल टी-20 में भारत के लिए सबसे ज्यादा 86 छक्के लगा चुके हैं। सूर्यवंशी एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस साल सभी टी-20 मैच मिलाकर 86 छक्के लगाकर लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। इस मामले में अभिषेक शर्मा पहले स्थान हैं। उन्होंने 2025 में 108 छक्के लगाए थे। टी-20 में कम से कम 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में सूर्यवंशी का प्रति बॉल सिक्स औसत सबसे बेहतर है। वे औसतन हर 5.21 बॉल पर छक्का लगाते हैं। बाकि खिलाड़ियों का रेशियों 7 से ऊपर है।

सूर्यवंशी ने 81 रन की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए।

सूर्यवंशी प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय

सूर्यवंशी 15 साल 121 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द मैच बने। वे इंटरनेशनल में यह अवॉर्ड जीतने वाले यंगेस्ट भारतीय बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 17 साल 112 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी। सूर्यवंशी ऐसा करने वाले दुनिया के दूसरे खिलाड़ी भी बने। सिएरा लिओन के एलुसिन तुरे इंटरनेशनल में प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 15 साल 74 दिन की उम्र में यह कारनामा किया था।

अभिषेक एक सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर

अभिषेक शर्मा ने इस सीरीज में सिर्फ 11 रन बनाए। वे तीन मैचों की टी-20 सीरीज में सबसे कम रन बनाने वाले भारतीय ओपनर बन गए हैं। उन्होंने शिखर धवन का अनचाहा रिकॉर्ड तोड़ा। धवन ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 19 रन बनाए थे।

सूर्यवंशी ने पहला प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड जीता

सूर्यवंशी सबसे कम उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्यवंशी ने अफगा-निस्तान के मुजीब उर रहमान का रिकॉर्ड तोड़ा। मुजीब 16 साल 328 दिन की उम्र में प्लेयर ऑफ द सीरीज बने थे।

> "सूर्यवंशी ने 16 साल की उम्र से पहले इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 15 साल 121 दिन की उम्र में दूसरी फिफ्टी लगाई। उनके अलावा नेपाल के कुशल मल्ला ने 16 साल की उम्र से पहले एक बार 50+ स्कोर बनाया था।

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया 3-0 से टी-20 सीरीज जीती

वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए, मयंक यादव को 3 विकेट

हरारे, एजेंसी

भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी।

भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन (29) ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी संभाली। ईशान के आउट होने के बाद वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की। भारत ने तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। 193 रन का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। रयान बर्ल ने 43 गेंदों में 54 रन बनाए। जिम्बाब्वे को 18वें ओवर की पहली ही गेंद पर छठा झटका लगा। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने तडिवानाशे मारुमानी को बोल्ड कर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट हासिल किया।

वैभव प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज

वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने तीन मैचों में 151 रन बनाए। मैच के बाद वैभव ने कहा कि हरारे पहुंचने के बाद टीम ने दो-तीन दिन अच्छी तैयारी की थी और उन्हें यहां खेलना हमेशा पसंद है।

वैभव ने कहा, मेरा लक्ष्य हर मैच में टीम को तेज शुरुआत दिलाना था। अगर अच्छी शुरुआत मिल जाए तो पारी को बड़ा बनाने की कोशिश करता हूं। दोनों अवॉर्ड को वैभव ने सपना सच होने जैसा पल बताया।

मां-बहनों ने मजदूरी की, भाई ने कर्ज लिया, पिता को कैंसर हुआ लेकिन प्रैक्टिस नहीं रुकी

ऋषिकांत के सिल्वर के पीछे परिवार का संघर्ष

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में रविवार को ऋषिकांत सिंह ने कुल 264 किलो वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता। वहीं, हजारों किलोमीटर दूर राजस्थान के बाड़मेर में उनके बड़े भाई अमरजीत सिंह टीवी पर हर लिफ्ट देख रहे थे। जैसे ही ऋषिकांत का मेडल पक्का हुआ, अमरजीत की आंखें भर आईं।

यह सिर्फ जीत की खुशी नहीं, बल्कि 15-16 साल के उस संघर्ष की याद थी, जिसमें पूरे परिवार ने ऋषिकांत के सपने पूरा करना ठाना था। मां और दोनों बहनों ने दूसरे के खेतों में मजदूरी की, बड़े भाई ने दोस्तों से कर्ज लेकर उनकी डाइट और प्रतियोगिताओं का खर्च उठाया। पिता को ब्लड कैंसर होने के बाद भी परिवार ने ऋषिकांत से इलाज के लिए पैसे नहीं लिए, ताकि उनकी तैयारी प्रभावित न हो।

ऋषिकांत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में वेटलिफ्टिंग में सिल्वर जीता है।

ऋषिकांत के बड़े भाई चनंबम अमरजीत सिंह भारतीय सेना में हैं और राजस्थान के बाड़मेर में तैनात हैं। बताते हैं कि 2007-08 में गांव के एक शिक्षक ने मणिपुर सरकार की स्पोर्ट्स अकादमी के बारे में जानकारी दी। उस समय ऋषिकांत छठी कक्षा में पढ़ते थे और बॉक्सिंग करना चाहते थे। परिवार उन्हें ट्रायल दिलाने ले गया, लेकिन अकादमी के कोचों ने उनकी क्षमता देखकर वेटलिफ्टिंग के लिए चुन लिया। यहीं से उनके खेल सफर की शुरुआत हुई। जब पहली बार ऋषिकांत का चयन जूनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ, तब परिवार के पास पैसे नहीं थे। अमरजीत कहते हैं, 'हमने दोस्तों से कर्ज लेकर उन्हें पैसे दिए, ताकि वह भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें। बाद में भी कई बार उनकी तैयारी और डाइट के लिए दोस्तों से उधार लेना पड़ा।'

अमरजीत बताते हैं कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। पिता शराब की लत से जूझ रहे थे और घर की जिम्मेदारी मां पर थी। परिवार में दो भाई और दो बहनें हैं। जब ऋषिकांत ने नॉर्थ-ईस्ट की एक प्रतियोगिता में पहला मेडल जीता, तभी परिवार ने तय कर लिया कि हर हाल में उन्हें आगे बढ़ाना है।

अपने परिवार के साथ सेल्फी लेते हुए ऋषिकांत सिंह।

'मां और बहनों ने खेतों में मजदूरी की'

अमरजीत ने बताया, '2009 से 2012 तक सबसे कठिन दौर था। मैं, मां और दोनों बहनें दूसरे के खेतों में मजदूरी करते थे, ताकि ऋषिकांत की डाइट और बाकी खर्च पूरे हो सकें। हॉस्टल में खाना मिल जाता था, लेकिन वेटलिफ्टिंग के लिए अतिरिक्त सप्लीमेंट की जरूरत पड़ती थी। जितना बन पड़ता, हम उनकी हर जरूरत पूरी करते थे।' ऋषिकांत जब घर पर होते थे, वो हम सभी के साथ मजदूरी करने जाते थे।

मनोरंजन

शादी के सवाल पर भड़कीं जैस्मीन भसीन

कहा- लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए, जब होनी होगी तब पता चल जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

टीवी एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन जल्द ही रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' से छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। रोहित शेट्टी के होस्ट वाले इस शो के प्रीमियर से पहले जैस्मीन ने एक इंटरव्यू में अपनी शादी की अफवाहों और लगातार पूछे जाने वाले सवालों पर दो टूक जवाब दिया है।

लंबे समय से एक्टर अली गोनी को डेट कर रहीं जैस्मीन ने कहा कि उनकी शादी से किसी का कोई लेना-देना नहीं होना चाहिए। न तो कोई कैटरिंग का बिल भर रहा है और न ही डेकोरेशन का खर्च उठा रहा है। पिंकविला को दिए इंटरव्यू में जैस्मीन भसीन से जब अलि गोनी संग शादी की प्लानिंग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अपनी असहमति जताई। जैस्मीन ने कहा, मुझे लगता है कि किसी को इससे क्या लेना-देना। न तो आपने कैटरिंग का बिल भरना है और न ही शादी की डेकोरेशन का खर्च उठाना है। जब शादी करनी होगी, तब कर लेंगे। लोगों को अपने काम से काम रखना चाहिए। जैस्मीन ने आगे कहा कि जब भी शादी होगी, सबको अपने आप पता चल जाएगा। यह उनका निजी फैसला है और किसी और को इससे परेशानी नहीं होनी चाहिए।

जैस्मीन भसीन और अली गोनी टीवी इंडस्ट्री के चर्चित जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की प्रेम कहानी रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' के दौरान शुरू हुई थी। शो में दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और उन्होंने अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। बिग बॉस के घर से निकलने के बाद भी दोनों कई म्यूजिक वीडियोज में साथ दिखे हैं और लगातार एक-दूसरे के साथ

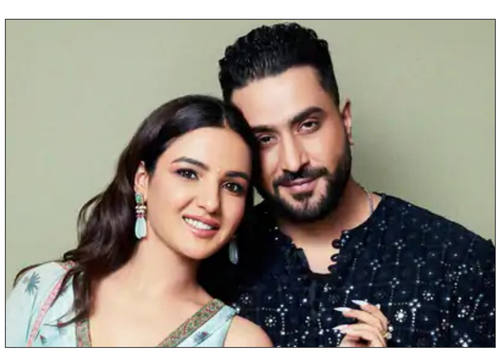

'शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं'

जैस्मीन ने लोगों की इस उत्सुकता पर चुटकी लेते हुए कहा कि कभी-कभी उन्हें इन बातों पर हंसी आती है। उन्होंने कहा, ₹मुझे समझ नहीं आता कि लोग मेरी पर्सनल लाइफ में इतने इंटरेस्टेड क्यों हैं। शायद लोग अपनी शादी से खुश नहीं हैं, इसलिए उन्हें लगता है कि हम क्यों खुश हैं, हमें भी शादी करके परेशान होना चाहिए। जैस्मीन ने कहा कि कुछ लोगों की मानसिकता ऐसी होती है कि वे बार-बार ऐसे सवाल पूछकर दूसरों को परेशान देखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसे सवालों पर जवाब न देने का मन बनाया हुआ है।

'खतरों के खिलाड़ी 15' से कर रही हैं वापसी

पर्सनल लाइफ के अलावा जैस्मीन भसीन अपने प्रोफेशनल प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में हैं। वे कलर्स टीवी के पॉपुलर स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आने वाली हैं। यह शो 1 अगस्त से ऑन-एयर हो रहा है। रोहित शेट्टी इस शो को होस्ट कर रहे हैं। जैस्मीन इससे पहले भी टीवी के कई बड़े रियलिटी शोज और फिक्शन ड्रामा में काम कर चुकी हैं।

मंदाकिनी का वो गाना, जो बना पहाड़ों की 'पहचान'

दिल को सुकून देता है पुराना लव सॉन्ग

नई दिल्ली। मंदाकिनी हिंदी सिनेमा की वह खूबसूरत अदाकारा रहीं, जो अपने जमने में सबसे ज्यादा ब्यूटीफुल और फिल्ममेकर्स की बतौर एक्ट्रेस पहली पसंद मानी जाती थीं। मंदाकिनी के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म राम तेरी गंगा मैली रही, जिसमें वह अभिनेता राजीव कपूर संग नजर आई थीं।

राम तेरी गंगा मैली एक लव स्टोरी ड्रामा फिल्म थी, जिसके सारे गाने अपने आप में कल्ट रहे। लेकिन एक गीत ऐसा भी रहा, जो पहाड़ों की पहचान माना जाता है। आइए जानते हैं कि यहां कौन से गीत के बारे में जिक्र किया जा रहा है। निर्देशक राज कपूर के फिल्ममेकिंग करियर की सबसे बेहतरीन मूवीज की जब भी बात की जाएगी तो उसमें राम तेरी गंगा मैली का नाम जरूर शामिल होगा। साल 1985 में रिलीज होने वाली इस मूवी में मंदाकिनी पर एक गीत फिल्माया गया था, जो खूबसूरत वादियों और झरनों के बीच रहा।

जी हां आज 41 साल बाद भी मंदाकिनी का हुस्न पहाड़ों का गाना खूब सुना जाता है। और एक प्यार भरे गाने के तौर पर ये श्रोताओं क दिलों को सुकून पहुंचाता है।

मस्ट वॉच निकली सरकारी स्कूली ड्रामा थ्रिलर, ओटीटी पर कब्जा जमाए हुए ये सीरीज

सात एपिसोड वाली नई वेब सीरीज ओटीटी पर बनी टॉपर

नई दिल्ली। ओटीटी पर लेटेस्ट फिल्में और वेब सीरीज देखना सिनेप्रेमियों को काफी पसंद आता है। हाल ही में ओटीटी पर एक ऐसी ही मोस्ट अवेटेड सीरीज को रिलीज किया गया है, जिसने आते ही कि दर्शकों के दिलों को जीत लिया है। अपनी कॉमेडी से भरपूर कहानी के चलते इस वेब सीरीज की चर्चा हर तरफ हो रही है। जिसकी वजह से जिस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 7 एपिसोड वाली इस सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है, वहां पर वह नंबर-1 के स्थान पर ट्रेंड कर रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि यहां कौन सी वेब सीरीज के बारे में जिक्र किया जा रहा है। इस वेब सीरीज का नाम है- आदर्श बाल विद्यालय (Adarsh Baal Vidyalaya)। जी हां अभिनेता के के मेनन स्टारर ड्रामा कॉमेडी सीरीज ने जनता का दिल जीत लिया है और इसी वजह से ये सीरीज फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर नंबर-1 की कुर्सी पर ट्रेंड कर रही है। बात की जाए सीरीज के जॉनर के बारे में तो ये इसके टाइटल से साफ पता चलता है कि यह एक स्कूली ड्रामा थ्रिलर है। आदर्श बाल विद्यालय में दिल्ली के एक सरकारी स्कूल की कहानी को दिखाया गया है, जहां का स्टूडेंट्स काफी उत्पाती हैं। इस स्कूल के एक हेड मास्टर हैं, जिनकी बच्चों के साथ काफी बनती है। स्कूल का प्रिंसिपल उस हेडमास्टर को ये जानकारी देता है कि अगर 10वीं की कक्षा का रिजल्ट अच्छा जाएगा तो तुमको कैम्ब्रिज जाने का मौका मिलेगा। बस इसी के इर्द-गिर्द पूरी सीरीज की स्टोरी घूमती है।

के के मेनन की लेटेस्ट वेब सीरीज आदर्श बाल विद्यालय एक मस्ट वॉच सीरीज बन गई है। इसका अंदाजा आप वेब सीरीज की आईएमडीबी रेटिंग को देखकर आसानी से लगा सकते हैं, जो फिलहाल 8.3/10 है।

इस सीरीज ने जीता जनता का दिल

भारत के सबसे चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म के बारे में बात की जाए तो उसमें नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो का नाम शामिल होता है। हर वीकेंड इन दोनों की प्लेटफॉर्म पर एक से बढ़कर एक सीरीज और फिल्म को रिलीज किया जाता है। फिलहाल यहां बात प्राइम वीडियो (Prime Video) के बारे में की जा रही है, जिस पर एक 7 एपिसोड वाली नई सीरीज को ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है।

सलमान-शाह रुख संग किया काम अक्षय की भी बनीं हीरोइन

हिंदी फिल्में छोड़ साउथ में हुईं सैटल, अब हैं ड्रामा टीचर

नई दिल्ली। सिनेमा में हर कलाकारों को मन ही मन एक डर सताता है कि कहीं वह टाइपकास्ट न हो जाए और अगर एक बार वे टाइपकास्ट हो गए तो उन्हें अलग-अलग किरदार मिलना मुश्किल हो जाता है। 90s की एक पॉपुलर एक्ट्रेस के साथ भी ऐसा ही हुआ। सलमान खान, शाह रुख खान और अक्षय कुमार जैसे अभिनेताओं के साथ काम कर चुकीं एक्ट्रेस ने एक रोज अचानक सिनेमा को गुडबाय कह दिया था। सनम बेवफा से डेब्यू करने वाली यह अदाकारा 90s की कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आईं। हिंदी फिल्मों के अलावा साउथ में भी काम किया। मगर जब उन्हें मनचाहा काम नहीं मिला तो उन्होंने एक्टिंग से हटकर दूसरे फील्ड में करियर बनाने का फैसला किया। जिस अदाकारा के बारे में हम बात कर रहे हैं, वो हैं कंचन (Kanchan)। सलमान खान की फिल्म में हीरोइन की सहेली का किरदार निभाने वालीं कंचन सिनेमा में आने से पहले मॉडल थीं। एक्टिंग में उनकी दिलचस्पी पहले से ही थी। फिर एक रोज फिल्ममेकर सावन कुमार तक की उन पर नजर पड़ी और सनम बेवफा में कास्ट कर लिया। इस फिल्म से कंचन को सफलता तो मिली, लेकिन साथ में टाइपकास्ट भी हो गईं। सनम बेवफा के बाद उन्हें बैक-टू-बैक फिल्में मिलीं, लेकिन कभी बहन की भूमिका में तो कभी सहेली और खलनायक की बेटी के रूप में। वह दो हंसों का जोड़ा, औलाद के दुश्मन, शबनम, क्रांति क्षेत्र, अमानत, पांडव, कुली नंबर 1, जुर्माना, आर्मी, इतिहास और मोहब्बत और जंग जैसी फिल्मों का हिस्सा बनीं। करीब 7 सालों तक लगातार बॉलीवुड में काम करने के दौरान वह एक ही तरह के किरदार करके थक गई थीं।

ईरान को फिर धमकी दी, खार्ग आइलैंड पर अटैक की एआई तस्वीर शेयर की

अमेरिका के पास हथियारों की कोई कमी नहीं : ट्रम्प

तनाव

तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ तनाव के बीच अमेरिका के हथियार खत्म नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा, "हमारे पास दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार हैं, जरूरत से भी ज्यादा।"

ट्रम्प का यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के साथ लगातार टकराव की वजह से अमेरिका के पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार घट रहा है।

बयान के तुरंत बाद ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कई AI तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में ईरान के सबसे बड़े तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर हवाई हमला दिखाया गया। इसके साथ उन्होंने लिखा- ₹स्ट्राइक ऑन खार्ग"।

इसके बाद उन्होंने कुछ और AI तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें एक ईरानी तेल टैंकर पर अमेरिकी झंडा नजर आ रहा है। एक दूसरी तस्वीर में जहाज को उड़ता हुआ दिखाया गया, जिसके साथ लिखा था- "नो मोर इंजन्स"। ईरान ने कैस्पियन सागर में अपने एक जहाज पर हुए यूक्रेनी हमले के बाद कड़ी धमकी दी है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस कार्रवाई के बाद अब उन्हें गंभीर नतीजे भुगतने होंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने सोमवार को कहा कि यूक्रेन का हमला पूरी तरह गैरकानूनी और अनुचित था। उन्होंने इसे खतरनाक दुस्साहस बताया।

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका रवाना होंगे, जहां उनकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात होगी। दोनों नेताओं की यह जंग के बाद पहली आमने-सामने की बैठक होगी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि दुनिया में तेल और गैस की कीमतें बढ़ते ही अमेरिका बातचीत करने लगता है। युद्ध शुरू होने पर अमेरिका को लगा था कि ईरान तीन दिन में टूट जाएगा और हार मान लेगा। लेकिन कई महीने बाद भी ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, "अब कई महीने बीत चुके हैं। अमेरिका वहीं फंसा हुआ है और अपने किए पर गर्व कर रहा है।"

ट्रम्प ने ईरान के खार्ग आइलैंड पर हमले की एआई तस्वीर शेयर की

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ईरान के सबसे बड़े तेल निर्यात केंद्र खार्ग आइलैंड पर हमले की AI से बनाई गई तस्वीर शेयर की। तस्वीर में लड़ाकू विमान ऑयल फैसिलिटी पर बमबारी करते दिख रहे हैं। ट्रम्प ने इसके साथ ₹STRIKE ON KHARG₹ लिखा।

अमेरिका के लिए रवाना हुए इजराइली पीएम नेतन्याहू

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। वे वॉशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच गाजा युद्ध, ईरान और पश्चिम एशिया के ताजा हालात पर बातचीत होने की उम्मीद है।

इजराइल सरकार ने बताया कि नेतन्याहू ट्रम्प के न्योते पर अमेरिका जा रहे हैं। दोनों देशों से जुड़े दूसरे अहम मुद्दों पर भी चर्चा होगी।

ईरान जंग के 5 महीने पूरे, ट्रम्प वेनेजुएला की तरह कामयाब नहीं हो पाए

ईरान जंग के आज 5 महीने पूरे हो रहे हैं। 28 फरवरी को ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य अभियान शुरू करते हुए दो बड़े मकसद तय किए थे। पहला, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तेजी से खत्म करना और दूसरा, वहां की मौजूदा सरकार को सत्ता से हटाना। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक उस समय ट्रम्प को भरोसा था कि ताकत के दम पर अमेरिका दोनों मकसद जल्दी हासिल कर लेगा। लेकिन पांच महीने बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। ईरान का न तो परमाणु कार्यक्रम खत्म हुआ और न ही वहां सत्ता परिवर्तन हो सका। ट्रम्प को उम्मीद थी कि वह ईरान में भी 'वेनेजुएला मॉडल' लागू कर पाएंगे, यानी ऐसी सरकार स्थापित कर देंगे जो अमेरिका के लिए अनुकूल हो। हालांकि अब अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना है कि तेहरान में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान से वैसी सफलता मिलने की संभावना नहीं है। यही वजह है कि ट्रम्प दोबारा बड़े सैन्य अभियान शुरू करने से बचते नजर आ रहे हैं।

ईरान ने बुल्गारिया को अमेरिकी विमान तैनात करने पर धमकी दी

ईरान ने बुल्गारिया को अमेरिकी वायुसेना के विमान तैनात करने के फैसले पर कड़ी चेतावनी दी है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि बुल्गारिया के नेताओं को इस फैसले की कीमत चुकानी पड़ेगी और उन्हें इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। बघाई ने आरोप लगाया कि अगर बुल्गारिया अपने यहां अमेरिकी विमान तैनात करता है, तो वह अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई का साझेदार माना जाएगा।

अफगानिस्तान में 'अफीम संकट' 95% तक घट गई खेती

काबुल। जमीन और नशे के लिए दुनिया में हमेशा लड़ाइयां हुईं हैं। कभी ट्रॉय के लिए हजारों जहाज भेजे गए, तो कभी ब्रिटेन ने चीन से अफीम बेचने के लिए 2 युद्ध लड़ लिए। चीन की हार हुई और 100 साल तक अफीम का अपना बाजार खो बैठा। अब अफगानिस्तान ने उल्टा काम किया।

2022 में तालिबान के मुखिया मुल्ला हैबतुल्लाह अखुंदजादा ने पूरे देश में अफीम की खेती पर बैन लगा दिया। तालिबान के अफीम पर बैन लगाने का असर तुरंत दिखाई दिया। UN की रिपोर्ट के मुताबिक 1 साल में अफीम की खेती 95 प्रतिशत तक गिर गई।

2022 में 2,33,000 हेक्टेयिर में खेती होती थी, जो 2023 में घटकर सिर्फ 10,800 हेक्टेयर रह गई। पहले अफगानिस्तान दुनिया की 80-90 प्रतिशत अफीम और यूरोप की 95 प्रतिशत हेरोइन सप्लाई करता था। तो लगा कि अब हेरोइन खत्म हो जाएगी। पर ऐसा नहीं हुआ।

आईटी विभाग आम लोगों को परेशान न करे : वित्त-मंत्री

अपनी ताकत से डराएं नहीं जनता की भलाई के लिए काम करें

मुंबई, एजेंसी

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इनकम टैक्स विभाग को आम जनता की भलाई के लिए काम करने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने अफसरों से कहा कि आम लोगों को अपने काम के लिए एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर के चक्कर न कटवाएं। सीतारमण रविवार, 26 जुलाई को मुंबई के नरीमन पॉइंट बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' इमारत का उद्घाटन करने पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने यह बातें कही हैं। वित्त मंत्री ने उद्घाटन समारोह के दौरान अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि इंडियन रेवेन्यू सर्विस (IRS) अधिकारियों को खुद 1.13 लाख स्क्वायर फीट में बनी इस 13 मंजिला इमारत के निर्माण और अनुमतियों यानी क्लीयरेंस के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी।

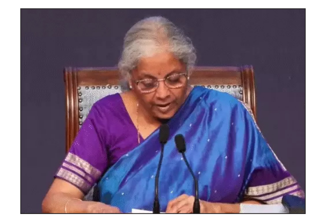

सीतारमण ने अधिकारियों को याद दिलाया कि एक IRS अफसर के नाम के पीछे आयकर विभाग का नाम जुड़ा होता है, जो लोगों को डराने के लिए एक शक्तिशाली ताकत जैसा काम करता है। उन्होंने कहा कि जब इतनी पावरफुल बॉडी होने के बावजूद अफसरों को खुद अनुमतियां लेने के लिए दर-दर भटकना पड़ा, तो उन्हें समझ आना चाहिए कि एक आम नागरिक को किस तरह की परेशानियों से गुजरना पड़ता होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि क्या यह अनुभव आपको उस आम नागरिक की स्थिति समझने के लिए प्रेरित कर सकता है जो आपके पास आता है? जहां आपके अधिकार की जरूरत है, वहां उन्हें दर-दर मत भटकाइए; उनके लिए काम कीजिए।

अपराधी ही नहीं, उनके परिवार को भी नहीं मिलेगा अमेरिका का वीजा

रूबियो ने नए नियमों का किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका की ट्रंप प्रशासन ने आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम के तहत एक नए वीजा नियम की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य अरबों डॉलर की धोखाधड़ी करने वाले विदेशी आपराधिक नेटवर्कों को नष्ट करना है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई वीजा प्रतिबंध नीति का एलान करते हुए कहा कि यह प्रतिबंध न केवल अरबों डॉलर की ठगी करने वाले विदेशी अपराधियों पर लागू होगा, बल्कि उनके करीबी परिजनों को भी अमेरिका का वीजा नहीं मिलेगा।

रूबियो ने स्पष्ट किया कि नई नीति का मुख्य मकसद साइबर घोटालों और अवैध वसूली करने वाले गिरोहों पर नकेल कसना है, जिन्होंने लाखों अमेरिकी परिवारों की जीवन भर की कमाई छीनकर उन्हें बर्बाद कर दिया है।

अमेरिकी प्रशासन इन साइबर नेटवर्कों को पूरी तरह से ध्वस्त करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए अपने सभी अधिकारों का इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए प्रतिबंध, कानूनी अभियोजन, संपत्ति की जब्ती, प्रत्यर्पण की मांग और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का उपयोग कर रहा है।

गौरतलब है कि अमेरिकी प्रशासन की यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप के मार्च में जारी किए गए उस आदेश पर आधारित है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी के मामलों में अभियोजन को प्राथमिकता दी गई थी और एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने का निर्देश दिया गया था। उस आदेश में साफ-साफ निर्देश दिया गया था कि ऐसे मामलों को बर्दाश्त करने वाले देशों को प्रतिबंधों, वीजा प्रतिबंधों, विदेशी सहायता पर रोक और दोषी अधिकारियों के निष्कासन का सामना करना पड़ सकता है। एपॉक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने बयान में चीनी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठनों को 'पिग बुचरिंग'जैसे ऑनलाइन साइबर घोटालों का मुख्य सूत्रधार बताया है। इन घोटालों में फर्जी ऑनलाइन रिश्तों और दोस्ती के जाल में फंसाकर लोगों को धोखाधड़ी वाले निवेश शामिल है।

फास्ट न्यूज़

अमेरिका-ईरान जंग में ठहराव से तेल सस्ता

तेहरान। सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका और ईरान के बीच सप्ताहांत में कोई नया हमला न होना है। इससे उम्मीद बनी है कि कूटनीति से मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो सकता है और होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की शिपिंग फिर से शुरू हो सकती है।

शुरुआत में तेल लगभग 5 फीसदी तक गिरा।

जानलेवा झड़पों और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पीओके में होने जा रहे चुनाव

इस्लामाबाद। लगातार हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों के बीच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तथाकथित विधानसभा के लिए आज चुनाव होने जा रहे हैं। पीओके में 45 सीटों के लिए चुनाव 10 अगस्त तक तीन चरणों में होंगे। पहले चरण में सोमवार को मीरपुर डिवीजन के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी। इसके बाद 2 अगस्त को मुजफ्फराबाद डिवीजन के नौ निर्वाचन क्षेत्रों और सभी 12 रिफ्यूजी निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी और 10 अगस्त को पूंछ डिवीजन के बाकी 11 निर्वाचन क्षेत्रों में वोटिंग होगी।

पहले बात की, फिर मार दी गोली

टोरंटो। कनाडा के टोरंटो में भारतीय मूल की 26 वर्षीय युवती की हत्या कर दी गई। पुलिस का कहना है कि यह एक टारगेटेड हमला था। मृतक की पहचान नवनीत कौर के रूप में हुई है। उसे हम्बरवुड बुलेवार्ड और रेक्सडेल बुलेवार्ड के पास गोली मारी गई। उसे तुरंत मेडिकल मदद दी गई लेकिन मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। टोरंटो पुलिस ने कौर की हत्या के मामले में ब्रैम्पटन के एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

चांदी 2,050 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची

सोना 751 महंगा होकर 1.45 लाख का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,050 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 751 रुपए चढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को

सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

बच्चे समेत 5 घायल, चश्मदीद बोला- खाने का सामान लेकर लौटे और गोली चली

अमेरिका में फूड फेस्टिवल में फायरिंग, 2 लोगों की मौत

सिएटल, एजेंसी

अमेरिका के सिएटल में एक फूड फेस्टिवल के दौरान फायरिंग में 2 लोगों की मौत हो गई। बच्चे समेत 5 लोग घायल हो गए। घटना सिएटल के स्पेस नीडल के पास आयोजित 'बाइट ऑफ सिएटल' फेस्टिवल के आखिरी घंटों में हुई। सिएटल फायर डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ग्रेस नुनेज ने इसकी जानकारी दी। फायरिंग रविवार शाम करीब 6 बजे हुई। पुलिस ने इलाके की जांच शुरू कर दी और लोगों से शहर के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित घटनास्थल के पास नहीं जाने की अपील की। अभी यह साफ नहीं है कि इस मामले में किसी को हिरासत में लिया गया है या नहीं। फेस्टिवल में पहुंचे एक शख्स ने बताया कि हम एक फूड

स्टॉल से खाने का सामान लेकर लौट रहे थे, उसी दौरान गोलीबारी हुई। सिएटल फायर डिपार्टमेंट की प्रवक्ता ग्रेस नुनेज के मुताबिक, फायरिंग में मारे गए दोनों लोगों की मौत मौके पर ही हो गई। 5 घायलों को हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर ले जाया गया। घायलों में 56 साल की महिला की हालत गंभीर है। 2 साल का बच्चा, 23 साल का युवक और 39 साल की महिला की हालत स्थिर बताई गई है। वहीं 40 साल की एक महिला को मामूली चोटें आई हैं। फायरिंग के बाद बड़ी संख्या में पुलिस और इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने सिएटल सेंटर इवेंट्स कैंपस के आसपास का इलाका खाली कराना शुरू किया। अधिकारियों ने अभी यह नहीं बताया कि फेस्टिवल के किस हिस्से में फायरिंग हुई। इस आयोजन में खुले और इनडोर, दोनों तरह के क्षेत्र शामिल थे।

सिएटल में रविवार को 'बाइट ऑफ सिएटल' फूड फेस्टिवल के दौरान हुई फायरिंग के बाद घटनास्थल पर तैनात फोर्स।

लोग खाने का सामान लेकर आ रहे थे, तभी गोलियां चलीं

फेस्टिवल में मौजूद फेथ एडिया हंटर ने बताया कि मैं और मेरा दोस्त एक स्टॉल से खाना लेकर लौटे ही थे, तभी फायरिंग शुरू हो गई। हमें एहसास हुआ कि शूटर हमारे पास ही था।

हंटर ने ये भी बताया, 'जब यह शुरू हुआ, तब हम उसके ठीक पास थे। हम भागे और भीड़ के साथ बिल्डिंग के अंदर चले गए। मैं और कुछ अन्य लोग पास के सिएटल चिल्ड्रन्स म्यूजियम में जाकर छिप गए।'

फायरिंग के बाद मची अफरा-तफरी में कई फूड वेंडर अपने स्टॉल छोड़कर बाहर की ओर भाग गए। घटना के कुछ घंटे बाद भी कुछ वेंडर पुलिस की घेराबंदी के बाहर खड़े रहे और इंतजार करते रहे कि उन्हें अपने टेंट, खाना और खाना बनाने का सामान लेने के लिए वापस जाने की अनुमति कब मिलेगी।

मतदान : नवाज शरीफ ने प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई, 2 महीने से हिंसक प्रदर्शन हो रहे

पीओके में आज विधानसभा चुनाव का पहला चरण

मुजफ्फराबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में सोमवार को विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग होगी। पिछले कई महीनों से यहां विरोध प्रदर्शन, हिंसा, गिरफ्तारियां और सरकारी कार्रवाई जारी है।

यह विवाद उन 12 विधानसभा सीटों को लेकर है, जो भारतीय के जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान जाकर बसे शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं।

इमरान खान की पार्टी PTI और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही JAAC ने चुनाव के बहिष्कार का फैसला किया है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व PM नवाज शरीफ ने PoK का प्रधानमंत्री बनने की इच्छा जताई है।

इन प्रदर्शनों का नेतृत्व जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) कर रही है। सरकार ने 5 जून को प्रस्तावित प्रदर्शन से कुछ

> 45 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव मूल रूप से 27 जुलाई को होने थे। लेकिन लगातार तनाव के कारण चुनाव तीन चरणों में कराने का फैसला लिया गया।

दिन पहले ही इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया।

इसके बाद संगठन के कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। कुछ नेता भूमिगत हो गए, जबकि कुछ अब भी पुंछ डिवीजन के मुख्यालय रावलाकोट में धरना स्थलों से आंदोलन चला रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। कई जगह लगातार धरने और सड़क जाम हुए हैं। स्थिति इतनी खराब हो गई कि बैंक लगातार दो सप्ताह तक बंद रहे। अधिकांश क्षेत्रों में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अब भी बंद हैं।

नवाज शरीफ ने पीओके को दूसरा घर बताया

चुनावी माहौल के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) के प्रमुख नवाज शरीफ ने मुजफ्फराबाद की एक चुनावी रैली में बड़ा वादा किया।

उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से उन्हें PoK का प्रधानमंत्री बनाने का आग्रह करेंगे, ताकि वे खुद क्षेत्र के विकास की निगरानी कर सकें। नवाज ने कहा कि PoK उनके लिए पंजाब जितना ही प्रिय है। उन्होंने दावा किया कि उनके पूर्वज कश्मीर से थे और इसलिए यह इलाका उनके लिए दूसरे घर जैसा है। इस चुनाव में PML-N का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) से माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस्लामाबाद में दोनों दल केंद्र सरकार में सहयोगी हैं, लेकिन PoK में वे एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

'भारत के छात्रों पर हम सभी को गर्व'

नई दिल्ली। विश्व प्रसिद्ध स्वीडिश जलवायु कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने नीट पेपर लीक मामले और शिक्षा प्रणाली में अनियमित-ताओं के खिलाफ भारत में हुए 36 दिवसीय छात्र आंदोलन का समर्थन किया है। और कहा कि भारतीय छात्रों पर हम सभी को गर्व है।

ग्रेटा थुनबर्ग ने लंदन में 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (SFI) द्वारा चल रहे प्रदर्शन को संबोधित करते हुए थनबर्ग ने कहा कि भारतीय छात्रों के विरोध प्रदर्शन ने जनशक्ति का सच्चा अर्थ दिखाया है और पूरे विश्व को प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों ने एक उद्देश्य के लिए एकजुट होकर खड़े होकर दुनिया भर के युवाओं को गौरवान्वित किया है, जिससे यह उम्मीद जगी है कि जब लोग एक साथ आते हैं और विरोध करते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है।

भारतीय छात्रों का न्याय, लोकतंत्र और मुक्ति के लिए संघर्ष हमारा भी संघर्ष है। इसलिए अब हम सभी को एकजुट होकर भारत के साथ एकजुटता से उठ खड़ा होना होगा।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676